Vol II
No 27

Monday,
14th July, 1952

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

Official Report

CONTENTS

	PAGES
Starred Questions and Answers	1683–1692
Unstarred Questions and Answers	1692–1694
Business of the House	1694–1698
L A Bill No XXII of 1952 a Bill to discontinue certain classes of Cash Grants in the State of Hyderabad (1st reading completed)	1698–1709
L A Bill No XXI of 1952 a Bill to provide for the Levy of Special Assessments on certain lands in the State of Hyderabad (1st reading not completed)	1709–1717

Price Eight Annas

GOVERNMENT PRESS
HYDERABAD DN
1954

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY

MONDAY THE 14TH JULY 1952

(27th day of the Second Session)

The Assembly met at Two of the Clock

[MR SPEAKER IN THE CHAIR]

Starred Questions and Answers

Mr Speaker Let us take up questions

WEIGHTS AND MEASURES DEPARTMENT

*193 *Shri K R Veeraswamy* (Kalvakurt Reserved) Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(1) Whether it is a fact that a post of a Senior Inspector or Chief Inspector has been specially created in the Weights and Measures Department at the beginning to suit a particular candidate ?

(2) If so for what reasons ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार आपके सवाल के पहले हिस्से का जवाब यह है कि नहीं। दूसरे हिस्से का जवाब यह है कि यह सवाल पैदा नहीं होता।

Shri K R Veeraswamy Does this post exist in Bombay ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार बम्बई के मुताबिक हमारे पोस्ट नहीं है।

Shri K. R Veeraswamy Is it a gazetted post ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार नहीं है

Shri K R Veeraswamy Are there no other Inspectors in the City doing this work ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार यहां का जो सामान है जिसका सुपरविजन करना और बाकी इन्स्पेक्टरों के जो फंक्शन्स होते हैं उन फंक्शन्स को पूरा करना

Shri K R Veeraswamy Why did the Government create this post ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार जब जिन का तकर्रुर हुआ जिन से पहले कोई नहीं था जिनका तकर्रुर मिनजुम्ले किया गया कि जिस पोस्ट का जवाबदारी जियादा है

ASSISTANT DIRECTOR WEIGHTS AND MEASURES DEPARTMENT

*194 *Shri K R Veeraswamy* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

Whether it is a fact that the Assistant Director (Administrative) visits his relatives friends shrines mosques and other places of interest on the pretext of inspecting sub-offices one of his recent trips being to Jalna Aurangabad and then to Bombay ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार यह गलत है कि दौरे के बहाने से असिस्टेन्ट डायरेक्टर अपने रिश्तेदारों से मिलते हैं अलबत्ता दौरे के मकाम पर अगर रिश्तेदार मौजूद हो तो मिलने से कोई रुकावट नहीं है दौरे के स्थान पर रिश्तेदारों से मिलने में कोई ममानियत नहीं है जिस से सरकारी काम में कोई हर्ज नहीं होता

Shri K R Veeraswamy Is it not a fact that he has gone to Bombay ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार जिनका बम्बई जाना सरकारी काम के लिए नहीं था बल्कि खानगी काम पर छुट्टी लेकर गये थे।

Shri K R Veeraswamy But actually he has gone to Bombay via Jalna

श्री विनायकराव विद्यालंकार हां बम्बई गये थे अपने खानगी काम पर छुट्टी लेकर गये थे।

Shri K R Veeraswamy Is it not a fact that he goes on tour to those places where there are no offices at all ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार जिसका कोई इनफरमेशन (Information) मेरे पास नहीं है।

Shri K R Veeraswamy I think there is information in the Department

श्री विनायकराव विद्यालंकार अगर मुझसे जियादा आपको मालूम है तो वह मुझे मालूम नहीं।

Shri K R Veeraswamy Can the hon Minister assure me that if I bring such instances to his notice he will take action against those officers ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार मैं समझता हूं कि यह मेरी ड्यूटी होगी

TECHNICAL GRADES TO INSPECTORS OF WEIGHTS AND MEASURES DEPARTMENT

*196 *Shri K R Veeraswamy* Will the hon Minister for Commerce & Industries be pleased to state

(1) Whether the Government had decided to give technical grades to Inspectors ?

(2) If so whether all Inspectors have been given technical grades ?

(3) If not for what reasons ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार पहले जुज का जवाब है असा कोयी इरादा नहीं है दूसरे जुज का जवाब यह है कि किसी को टकनिकल ग्रेड नहीं दिया गया तीसरे जुज का जवाब यह है कि यह सवाल पैदा नहीं होता

Shri K R Veeraswamy When they pass the examination of the Osmania Technical College and when they have gone to Bombay for Technical courses is it not binding upon the Government to grant them these grades ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार कोयी लोअर पोस्ट पर हो और वह वहा इम्तेहान देकर आये तो उसको वही ग्रेड दिया जाता है जिस पोस्ट पर वह हो मसलन कोयी पि अस डी सेकण्ड ग्रेडपर हो तो उसको सेकण्ड ग्रेड का ही ग्रेड दिया जायगा गजिटेड पोस्ट का नहीं

Shri K R Veeraswamy Has not the Government assured them to give technical grades if they pass the examination ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार मुझ इसकी इत्तला नहीं है

MANUAL ASSISTANTS WEIGHTS AND MEASURES DEPARTMENT

*197 *Shri K R Veeraswamy* Will the hon Minister for Commerce and Industry be pleased to state

(1) Whether it is a fact that the Manual Assistants in the Weights and Measures Department are paid only half of what is paid in Bombay ?

(2) If so for what reasons ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार यह गलत है कि यहा बम्बयी के मुकाबले मे आधी तनख्वाह दी जाती है बम्बयी मे इब्तदायी तनख्वाह ४० रुपय आय डी है और यहा इब्तदायी तनख्वाह ४० रुपया ओ अस् है अलबत्ता बम्बयी मे इन्तेहायी तनख्वाह ८० रुपय है और यहा (६०) रुपय है। दूसरे जुज का जवाब है कि हम अपने ग्रेड की पाबन्दी करते है बम्बयी के ग्रेड यहा नहीं रख सकते

Shri K R Veeraswamy When the Government is copying Bombay in other respects why does it not give equal pay to the Manual Assistants ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार मैं समझता हूं कि आप ने अच्छी तरह से मेरा जवाब सुना नहीं मैंने यह कहा कि उनकी के बारे की हम पाबन्दी नहीं कर रहे है हम बम्बई की कापी नहीं कर रहे है

Shri K R Veeraswamy Then what is the cumulative pay of the Bombay Manual Assistants ?

Shri K R Veeraswamy What is the grade of District Manual Assistants ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार यह सवाल पूछा नहीं गया था जिस लिये मैं जवाब नहीं दे सकता

*199 *Shri K R Veeraswamy* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

Whether the Weights and Measures Department has the 'irridio platignum standard as required under Rule 7 ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार इरिडियो प्लटीनम क्या चीज है जरा आप वजाहत करें तो मैं जवाब दे सकूंगा।

Shri K R Veeraswamy I do not understand hon Minister s answer

श्री विनायकराव विद्यालंकार सवाल मे इरिडीओ प्लटीनम का जिकर किया गया है यह क्या चीज है आप बता सकें तो मैं जवाब दूंगा

Shri K R Veeraswamy But the hon Minister I think is being misled by his officials in asking me to answer the very question I have put

Mr Speaker Can you explain the term ?

Shri K R Veeraswamy The question does not arise at all

श्री विनायकराव विद्यालंकार अगर आप वजाहत न कर सकें तो मैं इतना कहूंगा कि इरिडीओ प्लटानम हमारे पास है।

Shri K R Veeraswamy I think you said the Department has not got the Platignum point ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार हैदराबाद मिंट में है

Shri K R Veeraswamy It is not with the Department at all

Shri Vinayakrao Vidyalankar I am sorry you are misinformed

HYDERABAD STARCH PRODUCTS CO

*202 *Shri K R Veeraswamy* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(1) Whether the Industrial Trust Fund advanced a sum of Rs 6 00 000 to the Hyderabad Starch Products Co several years ago ?

(2) Whether Government has recovered any amount from this concern ?

(3) Whether it is a fact that this concern is not producing anything at present and that all the machinery etc have been removed except machinery worth Rs 50 000 ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार सवाल यह पूछा गया है कि स्टार्च फैक्टरी को इंडस्ट्रियल ट्रस्ट फंड से कोई लोन दिया गया था क्या जवाब यह है कि गवर्नमेंट की जानिब से कोई लोन नहीं दिया सवाल २ का जवाब यह है कि जब लोन दिया ही नहीं गया है तो वापसी का सवाल पैदा नहीं होता तीसरे सवाल का जवाब यह है कि जब तक मुझे इत्तला है वह यह है कि स्टार्च फैक्टरी में से कोई मिशनरी बाहर नहीं ले जाई गयी जिसकी मालियत पचास हजार कलदारी रुपये के करीब हो जो लिस्ट दी गयी है उस के मुताबिक पूरी मिशनरी वहां मौजूद है सिर्फ एक आयल इंजन के करीब १० हार्स पावर का था वह वहां पर नहीं है

Shri K R Veeraswamy Has not the Government advanced many loans to different concerns but actually in the report of the Industrial Trust Fund these loans are not mentioned ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार यह सवाल किस सिलसिले में पैदा नहीं होता

Shri K R Veeraswamy But we are sure that the Industrial Trust Fund has given such loans Perhaps it must have written off the loans

Shri Vinayakrao Vidyalankar Given to whom ? I think I have already answered in Hindi that no loan was given to the Hyderabad Starch Products either from the Industrial Trust Fund or directly from the Government ?

Shri M Butchiah Is it a fact that it is not functioning now?

Shri Vinayakrao Vidyalankar Yes it is not functioning

Shri M Butchiah What is it due to ?

Shri Vinayakrao Vidyalankar There are many concerns which are not functioning

Shri Ganeri Lal What is Government's share ?

Shri Vinayakrao Vidyalankar 2 lakhs and 50 thousands

سری وی ڈی دیشپانڈے حسب ذیل گورنمنٹ کے یہ سروس میں ہو
کیوں گورنمنٹ نے معلوم کرنے کی کوشش نہیں کی کہ دم نہ ہونے کی کیا وجہ ہے

श्री विनायकराव विद्यालंकार जिसका मनजीग अजसी पहले नजाम ईीन बड़ कम्पनी के पास था प्रोप्रायटर बात अकनामिक हान की मजह से थि है जिसको बन्द करना पड़ा अब यह मनवारीकाल क पास है स्गारन प्राइवेन्स के लिय जियादा तर बाट की जरूरत है जिस पर अभी कड़ाल है जिसकिय जिसक फकशन करन म फिलहाल दुश्वारी है

श्री लक्ष्मीनिवास गणेरीवाल क्या गवर्नमेंट को यह मालूम नहीं है कि फैक्टरीज के लिय रुकावट किस मे हासिल नहीं होती क्योंकि फैक्टरीज को जिन चीजों की जरूरत है वह दिखाई जाती है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार मुझ तो मालूम नहीं है आपको मालूम है तो बड़ी मेहरबानी होगी अगर आप गिरती के लिए आटा दिला सके

Mr Speaker Let us proceed to the next question

Shri Bhagwan Rao (Hon member Shri Bhagwan Rao was found to be absent in the House at that time)

*352 *Shri K R Hiremath (Gangavathi)* Will the hon Minister for Public Works be pleased to state

1 What is the basis of compensation paid to the effected villagers under the Tungabhadra Projects ?

2 Whether the Government are aware of the basis adopted by the Madras Government in this connection ?

3 Whether it is a fact that compensation has not been paid to some land owners but they were asked to quit the villages ?

4 Whether the Government are aware of the fact that the amount of compensation was paid to the owners just on the eve of leaving their houses which entailed much difficulty ?

Foot Note Answers to Starred Questions No 298 299 300 and 301 are printed under the heading Unstarred Questions and Answers as they were not put in the House to the absence of the hon Members

5 Whether the Government are aware of the complaints made by the villagers of Hyati in this regard?

6 Whether it is a fact that the Superintending Engineer of Muneerabad Project has not so far enquired into these complaints?

شری مہدی نواز جنگ — مسٹر اسپیکر سر سوال یہ ہے کہ منکھیڈر پراجکٹ کے سبب جو لوگ نادار ہوئے ہیں ان کے معاوضہ کی کیا بات ہے گاؤں کا اوسط بی ڈی امولی کے قواعد کے لحاظ سے دیا جاتا ہے جہاں تک رسائی کا تعلق ہے ان ڈی ا اوسط ریو و ڈپارٹمنٹ ڈیٹرمن (Determine) کرتا ہے دوسرا جزو یہ ہے کہ آیا گورنمنٹ اس طرح معاوضہ سے واقف ہے جو کہ منداروں کو گورنمنٹ کی طرف سے حاصل ہے جی ہاں

تیسرا جزو یہ ہے کہ لینڈ اونرس جو معاوضہ کو دیا جاتا ہے ان ہی ایسی گاؤں چھوڑنے کے وقت دیا جاتا ہے جواب یہ ہے کہ معاوضہ پہلے دیا جاتا ہے تاکہ اس کے کہ زمین کی بابت کوئی نزاع ہو

چوتھا جزو کیا گورنمنٹ اس سے واقف ہے کہ جو معاوضہ مالکین زمین کو دیا گیا تھا وہ اس وقت دیا گیا تھا جبکہ وہ اپنے گھروں کو چھوڑ رہے تھے اور جس سے انہیں مشکلات کا سامنا کرنا پڑا جواب یہ ہے کہ دو ماہ قبل ہی پہلے دے دیا گیا تھا اور ان کے لئے ٹرانسپورٹ کے انتظامات بھی مہیا کئے گئے تھے

پانچواں جزو یہ ہے کہ حیاتی گاؤں کے رہنے والوں نے جو شکایات کیں تھیں کیا اس سے گورنمنٹ واقف ہے جواب یہ ہے کہ ہاں حیاتی گاؤں کے لوگ میرے پاس ۲ مئی سنہ ۱۹۵۲ء کو آئے تھے اور ان کو ریونیو افسر اور ایگزیکٹیو انجینئر کے پاس رجوع ہونے کی ہدایت کی گئی تھی۔ اب تک وہ لوگ افسر کے پاس رجوع ہوئے یا نہیں معلوم نہیں

سوال کا چھٹا جزو یہ ہے کہ کیا یہ واقعہ ہے کہ سپرنٹنڈنگ انجینئر منیرآباد پراجکٹ نے ان شکایات کی جانچ نہیں کی ہے جواب یہ ہے کہ اگر وہ ریونیو افسر کے پاس رجوع ہوئے ہوتے تو سپرنٹنڈنگ انجینئر کو ہدایات دیتے یہ کارروائی اصل میں صیغہ مال سے متعلق ہے

شری ہیرے مٹھ — آنریبل منسٹر نے کہا کہ منداروں کے معاوضہ کو ملحوظ رکھا گیا ہے کیا یہ بتلایا جاسکتا کہ مدراس میں فی ایکر کیا دیا گیا اور ہمارے یہاں کیا دیا گیا۔

شری مہدی نواز جنگ — معاوضہ مستحق زمین کی کوالٹی کے لحاظ سے ہوتی ہے اسکے علاوہ اس کا محصولیں مارکٹ ریلوے اسٹیشن سڑک سے بھی دیکھا جاتا ہے اسکے متعلق کوئی قرار داد نہیں ہوسکتی کہ مدراس حیدرآباد میں یکساں معاوضہ ہی مقرر کیا جائے ادھر کی اور ادھر کی رسائی کے لحاظ سے معاوضہ مستحق ہوتا ہے

شری ہیرے مٹھ — کیا آنریبل منسٹر اس سے واقف ہیں کہ بلاری اور کریم نگر کی رسائی یکساں ہیں لیکن معاوضہ میں فرق ہے؟

شری مہاویر تیاگی: یہ کام جو شرنارتھیوں کے سپرد ہوا ہے وہ بہت ضروری ہے مگر یہ کہنا مشکل ہے کہ کوئی ساتھ کہے کہ نہیں ہیں۔

شری ہیرے سنگھ: کیا ان لوگوں کو جن کا نقصان ہوا ہے معاوضہ دے دیا گیا ہے؟

شری مہاویر تیاگی: اس معاملہ میں شاید غلط فہمی ہوئی ہے۔ وجہ یہ ہے کہ ہم نے شروع میں معاوضہ دینا مناسب سمجھا کہ کام اب بعد میں شروع کیا گیا۔ جس میں یہ کام جب مکمل ہو وہاں کی گورنمنٹ نے ۵۰ فیصد کی حد تک معاوضہ دیا ہے برخلاف اسکے جہاں جو نقصان ہوا ہے وہاں پر ۲۰ فیصد کے ساتھ دیا گیا پرائما فیسی (Primafacie) یہ معلوم ہوتا ہے کہ وہاں پر ۵۰ فیصد دیا گیا ہے اور جہاں ۲۰ فیصد لیکن اگر اس کا (Analyse) کیا جائے تو معلوم ہوگا کہ جہاں جو معاوضہ دیا گیا ہے وہ مجموعی طور پر برابر ہے۔

شری ہیرے سنگھ: کیا ان مکانوں میں جن کا معاوضہ دیا گیا ہے لوگ بحال کر دیے گئے ہیں؟

شری مہاویر تیاگی: مکانات کو معاوضہ دیکر خالی کرایا گیا ہے تاکہ وہ کسی کی جگہ ہو۔

شری ہیرے سنگھ: کیا آنریبل منسٹر یہ بتلا سکتے ہیں کہ ان دکانوں کے لوگ اب کہاں گئے ہیں؟

شری مہاویر تیاگی: ان کے لیے کیمپ بنائے گئے ہیں۔ سب لوگ وہاں منتقل ہوئے ہیں۔ یہ سنگھواڑا کے پاس ہیں۔

شری ہیرے سنگھ: وہاں کے لوگ جہاں دس دن تک رہے لیکن آنریبل منسٹر سے ان کی ملاقات نہ ہو سکی۔

شری مہاویر تیاگی: مجھے اس کا علم نہیں ہے۔ انہوں نے اپنی درخواست میں یہ لکھا ہے کہ وہ دو روز تک ٹھہرے اور پرائیویٹ سکریٹری نے انہیں واپس کر دیا وہ جب منسٹر صاحب کے پاس گئے تو ان کا کاغذ بھی میرے پاس لائے۔ مجھے کسی طرح نہیں ہے کہ وہ دو روز تک مجھ سے ملنے آئے۔

شریمتی شاہجہان بیگم: کیا آپ نے اپنے پرائیویٹ سکریٹری سے یہ دریافت کیا کہ انہوں نے کس وجہ سے انہیں ملاقات کا موقع نہیں دیا؟

شری مہاویر تیاگی: میں نے دریافت کیا لیکن اسکی تصدیق نہیں ہوئی کہ یہ واقعہ ہے۔

شری سی گوڑہ : کیا جملہ معاوضہ کی در سلائی جاسکتی ہے ؟

شری مہدی نواز جنگ : معاوضہ دینے کا تعلق محکمہ مال سے ہے اس وجہ سے تفصیلات میرے پاس نہیں ہیں

شری شرن گوڑہ : کیا آنریبل منسٹر یہ بتلاسکتے ہیں کہ معاوضہ دیتے وقت جو مارکٹ ریٹ پر غور کیا جاتا ہے اور کیا سگھدرا پراجکٹ میں معاوضہ دیتے وقت اسکو ملحوظ رکھا گیا

شری مہدی نواز جنگ : میں سمجھتا ہوں کہ میں نے پوری دیر پہلے کہا معاوضہ کے بعض میں ان تمام امور کو ملحوظ رکھا جاتا ہے

Shri L K Shroff Is the hon Minister aware that villagers of 9 villages were given compensation amounts about a week or so after they were moved from the villages ?

شری مہدی نواز جنگ : مجھے اس کا علم نہیں ہے لیکن جہاں تک مجھے علم ہے ایسا نہیں ہے اس کا جواب بھی میں ہی دونگا کہ اس کا تعلق محکمہ مال سے ہے

شری شرن گوڑہ : ۳ مسجد جو اجاڑا گیا ہے وہ کس سسٹم پر کیا گیا ہے ؟

شری مہدی نواز جنگ : ۳ مسجد کا اجاڑا جانا کس سلسلہ میں ہوا ہے ؟ رہبانت کی سبب سگھدرا پراجکٹ کی وجہ سے ڈوبنگی ہے اسلئے وہاں ۳ مسجد جانے دیا گیا ہے اسکے بعد رعایا کو مطمئن ہوجانا چاہئے کہ ان کا معاوضہ دے دیا گیا ہے

شری شرن گوڑہ : جن لوگوں کو وہاں سے دوسری جگہ منتقل کیا گیا ان کو مکانات کی سہولت بہم پہنچانے کیلئے انکو کچھ رقمی مدد دی گئی ؟

شری مہدی نواز جنگ : عارضی طور پر مکانات بنائے گئے اور ان کو وہاں بھرا گیا ٹرانسپورٹ کی مدد بھی انہیں دی گئی

شری شرن گوڑہ : جن لوگوں کو وہاں سے ہٹا کر دوسری جگہ بسایا گیا کیا انہیں وہاں زمین دینے کی بھی کوئی اسکیم ہے ؟

شری مہدی نواز جنگ : ان کے کالونیز بنائے گئے اور ان کو بسایا گیا جہاں جہاں سے دیہات ہٹائے گئے ہیں دوسروں کے ساتھ انہیں بھی زمین دی جائیگی

شری شرن گوڑہ : جن زراعت پیشہ لوگوں کو وہاں سے ہٹایا گیا ہے ان کے پیسے کا کیا انتظام کیا گیا ؟

شری مہدی نواز جنگ : پیسہ کا انتظام نہیں کیا گیا

شری شرن گوڑہ : تو اس لحاظ سے انکو نقصان ہوا ۔

سری مہدی نواز جنگ رساب نکو حسب منشا دیا سکی آنے ولے
زمانہ میں ان کو ہر رساب ملسکی

سری ہی سا ھجوان سنگ آنے ولے زمانے میں نکو رساب ملسکی لیکن ابکی روری کسطرح ملسکی اوس وقت تک

سری مہدی نواز جنگ ان میں سے ا ہے ھیں جو مزدوری کرتے ھیں

سری ھیرے مٹھ کیا یہ بتاسکتے ھیں کہ سکانہ اور سکل بور کے لوگوں کو
دی گئے تھے میں نوٹس دی گئی ورسی کے سبب ھی میں مکانات خالی کرے گئے

شری مہدی نواز جنگ سکا جواب میں دے چکا ہوں کہ نوٹس بہت پہلے دی گئی
تھی بات یہ ہے کہ ہمارے ہاں دیہات کے لوگوں کو اپنی جگہ سے اسی ے سے ہوتی
ہے کہ وہ چھوڑنا نہیں چاہتے جب تک کہ پانی انکے پاوں تک نہ پہنچ جائے

شری کیسب راؤ واگھمارے پانی کے جس روز سے لوگوں کو ہٹایا گیا
ان کو رساب دینے کی کیا کوئی اسکیم ہے ؟

سری مہدی نواز جنگ یہ کام سارے کہ وہ جو عہد میں نہیں ہوسکتا جسے
آھستہ ہوسکتا ہے جس ہولڈنگ ہوتی ہے اسکے مطابق عمل کیا جاتا ہے ساری ندرو سائی
ایک وقت میں نہیں ہوسکتی

Mr Speaker Let us proceed to the next Question Shri Sripat Rao Kadam (hon Member Sri Sripat Rao Kadam was found absent in the House at that time)

Unstarred Questions and Answers

*298 *Shri Bhagwan Rao* Will the hon Minister for Public Works Department be pleased to state

Whether there is any proposal before the Government to construct roads from Basmath to Purna Parbhani and Chondhi to Kurunda ?

The Hon Shri Mehdi Nawaz Jung There is no proposal to construct any of these roads for the present

*299 *Shri Bhagwan Rao* Will the hon Minister for Public Works Department be pleased to state

1 Whether apart from the Godavari Project there is any irrigation project under contemplation of Government for the Marathwada Area ?

Foot Note Answers to Starred Questions Nos 377 & 378 are printed under the heading Unstarred Questions as they were not put in the House due to the absence of the hon Members

2 Whether the Godavari Project will meet the demand of the whole of Marathwada

The Hon Shri Mehdi Nawaz Jung 1 The Godavari Project does not serve Marathwada Purna is the only major irrigation project that has been investigated in Marathwada and of the five minor irrigation projects contemplated for that area Bendsura and Khasapur have already been taken up Khaid has been investigated and the implementation of Kamli and Talwai is held up being uneconomical

2 As already stated Godavari Project does not serve Marathwada area

*300 *Shri Bhagwan Rao* Will the hon Minister for Public Works Department be pleased to state

1 Whether there are any irrigation canals in Parbhani District ?

2. Whether there are any possibilities of opening fresh irrigation works in Parbhani District ?

The hon Shri Mehdi Nawaz Jung 1 There are no irrigation canals in Parbhani District

2 There are possibilities The Purna Project and the Khaid Project have been investigated They are comparatively more costly

*301 *Shri Bhagwan Rao* Will the hon Minister for P W D be pleased to state

1 Whether there is any proposal before the Government to construct school buildings at Kurunda and Purna of Basmath and Parbhani Taluqa respectively ?

2 If so, when are the works proposed to be taken up ?

The Hon Shri Mehdi Nawaz Jung 1 There is no requisition so far received from the Education Department for the construction of school buildings at Kurunda, Taluq Basmath and Purna, Taluq Parbhani

2 In view of reply at (1) no further reply is required

*377 *Shri Sripatrao Kadam* Will the hon Minister for Public Works Department be pleased to state

1 Whether there is a scheme before the Government to provide electricity to Bhir Town ?

2 If so, whether the Government intend to execute the scheme departmentally or entrust it to private concerns?

The Hon. Shri Mehdi Nawaz Jung : 1. No

2 This question does not arise in view of my answer to part (1) of the question.

*378. *Shri Sripatrao Kadam* : Will the hon Minister for Public Works Department be pleased to state

1. The extent of land acquired for Bendsura Project in Bhir District ?

2 Whether it is a fact that compensation has not yet been paid to the owners of the lands so far ?

3. If so, why the delay ?

4. Whether it is a fact that no compensation is being paid in respect of the wells in lands acquired under Bendsura Project in Manzari Village of Bhir Taluq ?

5. If so, for what reasons ?

The Hon Shri Mehdi Nawaz Jung , 1. For the construction of the main dam, an area of 129 acres 36 guntas of Pali Village, Bhir Taluq has been acquired.

2. No. Compensation to the extent of Rs. 68,803-15-6 based on the award of the Revenue Department has been paid.

3. In view of the answer to part (2), this question does ont arise.

4. Lands to the extent of 264 acres 18 guntas are to be acquired in Manzari village limits, for which the Revenue Department has given its award which includes a sum of Rs 9,510 towards compensation for wells, trees, buildings and standing crops etc. The lands have not yet been acquired by the P.W.D., but will be acquired after duly paying compensation.

5. In view of answer to part (4), this question does not arise.

Mr. Speaker · Now we shall proceed to the next business.

Business of the House

I have to bring to the notice of the House two telegrams which I received yesterday evening.

1 Gajwel M L A Sri Pendam Vasudev was arrested and produced before the Munsiff Magistrate Bhongir by S I Bhongir in Bhongir 79/52 107 CRPC with a charge sheet and the Magistrate relieved him on bail at 11 a m

The second telegram is also to the same effect and it reads as follows

Gajwel M L A Sri Pendam Vasudev has been arrested this morning at 8 a m by S I Bhongir and released by him on bail immediately in Bhongir station 90/52 143 and 506 IPC

(PAUSE)

Notice has been given regarding an adjournment motion by Shri K V Ram Rao M L A It reads as follows Sir I hereby give notice of intention to move a motion for the adjournment of the Assembly for the purpose of discussing a definite matter of urgent public importance namely the illegal detention for twelve hours by the Police of Nalgonda on 12 7 1952 of the Municipal Councillors and other workers of Peoples Democratic Front in the town of Nalgonda including detention for three hours of Shri Uppal Malchur M L A who was going via Nalgonda to Miryalguda with deposits and nomination papers in connection with bye election in Huzurnagar and Peddamungal constituencies and wrongful seizure of the office records of the Peoples Democratic Front and taking over of the office for twelve hours in the town of Nalgonda and the situation arising there from on the eve of bye election in the District of Nalgonda

This notice is dated 14 7 1952

Mr Speaker Does the hon Member want to say anything? There are so many things here which are indefinite—names are not given and also some other facts are not given

شری کے وینکٹ رام راؤ ۲ سے زاید لوگ ارسٹ (Arrest) کیے گیے ھیں
چونکہ لسٹ کافی لمبی ھوجاتی تھی اس وجہ سے میں نے اس میں نام نہیں دیے ھیں لیکن
اگر ضرورت ھوتو میں نام بھی بتاسکتا ھوں

Mr Speaker Has the Government anything to say regarding this adjournment motion?

Shri B Ramakrishna Rao I am unaware of the facts to which the hon Member refers I have not had so far any report of these arrests or detentions

Shri M S Rajalingam Is it not advisable that in all such cases, information may first be obtained from the Government

by putting short notice questions and then adjournment motion moved?

Mr Speaker Permission has not been granted as yet

Shri M S Rajalingam I think it would be saving time if by short notice questions we obtain information from the Government first and then move the adjournment motions

Shri V D Deshpande In this respect I have to say one or two things Firstly as regards short notice questions attempts have been made in an earlier case e g hunger strike in Warangal is going on I have given short notice questions four or five days back But the hon Minister for Home has not replied as yet Secondly as regards the instances which are happening in the town of Nalgonda this is not the first of its kind Similar things are repeatedly happening there and this is one of them So far as other matters are concerned as far as I know the adjournment motion has been given in time two hours before to discuss a matter of urgent public importance because elections are going to take place and incidents are happening repeatedly and the authorities concerned have not taken any notice of it and no ordinary relief is available there I therefore request that on all these grounds the adjournment motion shall be admitted

Shri V B Raju Mr Speaker Sir The hon Member admits that such incidents have been happening for the past few days or for some time When such incidents have been happening for some time past there is no urgency for this Adjournment Motion

Shri V D Deshpande (interrupting) So urgency arises when people are killed?

Shri V B Raju So the adjournment motion is brought before the House without any such urgency and as is clear from the hon Member's own statement there is no urgency for this adjournment motion

شری کے وینکٹ رام راؤ ۔ حسب ایک پلان کے تحت نلگنڈہ میں ایک مہینے
سے ہو رہی ہیں ناپی گڈ اور حصور نگر میں نامسس پیدرس داخل کرنے کے سلسلہ
میں حیدرآباد سے ڈپارٹ کی رقم لیکر اہل دوسرا آرہا تھا نامسس فارم اور رقم داخل نہ
ہونے دینے کے خیال سے اسکو روک لیا گیا اور ان صفحے کے بعد رہا کیا گیا مرال گوڑہ
میں بھی ایسا ہی کیا گیا نامسس فارم اور رقم وہاں داخل کرنی تھی لیکن وہاں داخل
کرنے نہیں دیا گیا وہاں کے لوکل پولس اور سول آفیسرس ایک پلان کے تحت یہ عمل
کررہے ہیں ان حالات میں میرے لیے سوائے اسکے اور کوئی چارہ نہیں تھا کہ اٹھ سٹ

موشن موو کروں۔ اسکے علاوہ بی ڈی سی کے ڈسٹرکٹ میں بھی حملہ کیا گیا۔ اس حملہ سے کہا گیا کہ ایک شخص بلمنڈ اندرگروند کمند میں وہاں موجود ہے حالانکہ وہاں اس نام کا کوئی شخص نہیں تھا۔ اسی طرح ۱۹۴۸ء میں بھی کیا جا رہا ہے کیونکہ اور ہوٹلوں سے لوگوں کو لا کر گرفتار کیا جا رہا ہے اور اسطرح حملہ تو لہ ماع کا [illegible] کیا گیا۔ سلیے میں عرض کرونگا کہ اسپر ڈسکشن کی اجازت دی جائے۔

شری پی۔ رام کرشن راؤ: مسٹر اسپیکر سر اگر ایڈجرنمنٹ موشن دیکھی جائے تو لیکن جس طریقہ سے اس پر ممبر نے بیان کیا ہے اسکی تردید ضروری سمجھتا ہوں۔ یہ جو بیان کیا گیا ہے کہ گھروں اور ہوٹلوں سے لوگوں کو لا کر گرفتار کیا گیا وہ سب ایک پلانڈ (Planned) طریقہ پر ہوا صحیح نہیں ہے بلکہ واقعہ یہ ہے کہ دوسری جانب سے جس پلانڈ طریقہ پر کام ہو رہا ہے اوسکا مقابلہ کیا جا رہا ہے۔ یہ بھی کہا گیا ہے کہ ایک لیڈر کی گرفتاری کے سلسلے سے اس پر حملہ کیا گیا گو میرے پاس ڈی ایس پی کے پاس سے رپورٹ نہیں آئی لیکن یہ خبر ملی ہے کہ ایک ملگنڈ کے [illegible] میں ایک لیڈر کو رائفل اور امونیشن (Ammunition) وغیرہ کے ساتھ گرفتار کیا گیا۔ اگر کوئی ورکرس ارسٹ (Arrest) ہوئے ہوں تو ہوئے ہونگے ایسے گروپ کی بنا پر یا ان پر کوئی الزام ہوگا۔ میں نہیں کہتا کہ وہ الزامات صحیح ہیں یا جھوٹ جہاں تک میرے معلومات ہیں پی ڈی ایف کے کمانڈر میں نے ناسٹس پیپرس داخل کردیے ہیں۔ اگر موشن کا یہی مقصد تھا تو صرف ۲۰ گھنٹہ ہی نہیں ۲۰ گھنٹہ رول سکتی تھی ان کے لیے کوئی رکاوٹ نہیں تھی۔

آپ کے ورکرس نے کوئی خلاف قانون حرکت کی ہوگی جسکے سلسلے پولیس نے انکو گرفتار کیا ہوگا۔ ممکن ہے کچھ ایسے گراونڈس ہونگے جسکی بنا پر گرفتاری ہوئی ہے۔ اگر بعد میں یہ معلوم ہو کہ اون سے کوئی خلاف قانون افعال سرزد نہیں ہوئے ہیں تو ان کو چھوڑ دیا جائیگا۔ گورنمنٹ کا منشا ہرگز یہ نہیں ہے کہ پارلیمنٹ میں کوئی اس قسم کی باتیں پیدا کرے۔ کوئی مزاحمت نہیں کیجارہی ہے ہر کالمی نوٹس سے برادر آپ کے لوگ ناسٹس پیپر داخل کر رہے ہیں۔ اس لیے میں عرض کرونگا کہ ایسے کوئی وجوہات نہیں ہیں جسکی وجہ سے اس ایڈجرنمنٹ موشن کو منظور کیا جائے۔

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے: میں عرض کرونگا کہ آنریبل ہوم منسٹر نے غلط طور پر واقعات کو پیش کیا ہے۔ میں کہونگا کہ میں نے جو وجوہات بیان کیے ہیں وہ بالکل صحیح ہیں۔ ہوٹل سے لوگوں کو پکڑا گیا ہے۔ ایل۔ ایل۔ اے کو موٹر میں سے گرفتار کیا گیا ہے۔ ہوم منسٹر صاحب نے ابھی کہا کہ مجھے واقعات کا علم نہیں ہے اور دوسری طرف یہ ہے کہ وہ واقعات بیان کررہے ہیں۔ میں عرض کرونگا کہ یہ اہم واقعات ہیں اس لیے ہم نے جو ایڈجرنمنٹ موشن پیش کیا ہے اسکو منظور کرنا چاہیے۔

مسٹر اسپیکر: آرڈینری ایڈمنسٹریشن آف لا (Ordinary administration of law) کے تحت کارروائی کی گئی ہے۔ ممبرس ایسے اہم نہیں ہیں۔ اسٹاچوٹری رمیڈی (Statutory remedy) کیجاسکتی ہے۔

شری وی ڈی دیشپانڈے سامنے ... صدر صاحب ہے
ہم ممبر کو توجہ دلانی کی لیکن ... ہیں ... کیں
ہے اسلئے ہاؤز کو سکا موقع ملنا ہے

شری وی بی راجو مسٹر اسپیکر کے رولنگ دینے کے بعد

شری وی ڈی دیشپانڈے ... رولنگ دے لیکن ... مسائل ہیں ...
غور کرنا چاہیے لیکن طریقہ ... کا جا رہا ہے کہ اہم مسائل کو

مسٹر اسپیکر آرڈر آرڈر

شری وی ڈی دیشپانڈے ... ہے

مسٹر اسپیکر آرڈر آرڈر

شری وی ڈی دیشپانڈے ... ہے ہم ... کے ... واک آوٹ
کرتے ہیں ... رولنگس ... کے ... ہو کر ہیں

مسٹر اسپیکر آرڈر آرڈر

شری وی ڈی دیشپانڈے ہم انکے اس طریقہ عمل پر واک اوٹ کرتے ہیں

We are not going to tolerate this partiality

(At this stage all the Members of the P D F led by Shri V D Deshpande walked out of the House)

L A Bill No XXII of 1952--a Bill to discontinue certain classes of Cash Grants in the State of Hyderabad

Mr Speaker Now we shall proceed to the next business The hon Shri B Ramakrishna Rao

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to introduce L A Bill No XXII of 1952 a Bill to discontinue certain classes of cash grants in the State of Hyderabad

Mr Speaker Bill No XXII of 1952 a Bill to discontinue certain classes of Cash Grants in the State of Hyderabad is introduced

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That I A Bill No XXII of 1952—A Bill to discontinue certain classes of Cash Grants in the State of Hyderabad be read a first time

Mr Speaker Motion moved

That L A Bill No XXII of 1952—a Bill to discontinue certain classes of cash grants in the State of Hyderabad be read a first time

Shri B Ramakrishna Rao Sir this is a Bill which aims at discontinuing certain classes of cash grants in the State of Hyderabad There are several kinds of cash grants which are in vogue in this

شری کونڈی گنگا ریڈی انریبل منسٹر کر ہندی میں بولیں تو اچھا ہے

شری بی رام کشن راؤ۔ یہ بل اس غرض سے پیش کیا جارہا ہے کہ جو نقدی عطیات حیدرآباد میں دیئے جارہے ہیں انکو مسدود کیا جائے۔ دیسمکھ دیسپانڈے سر دیسمکھ سر دیسپانڈے ان ناموں کے جو لوگ موجود ہیں پہلے انکے ذمہ کچھ کاروبار تھے کسی زمانے میں اسٹیٹ کی مالگزاری کی وصولی کا انتظام انکے ذمہ تھا لا اینڈ آرڈر مین ٹین کرنے کا کام انکے سپرد تھا اسکے معاوضہ میں مالگزاری کا فیصد دیسمکھ کو اور پانچ فیصد دیسپانڈے کو دیا جاتا تھا گاؤں کے نسلوں کا صدر ککری ہوتا تھا دیسمکھ کو لا اینڈ آرڈر مین ٹین کرنا پڑتا تھا اسطرح انکو فیصد اور فیصد معاوضہ دیا جاتا تھا سر سالار جنگ اول کے زمانے میں ان سے یہ فرائض لے لینا مناسب سمجھا گیا اور یہ تصور کیا گیا کہ ان کے معاوضہ کو کچھ کم کرکے بحال رکھا جانا چاہیے لیکن ان سے خدمات کے لیے کی ضرورت نہیں تھی جو فرائض وہ انجام دیتے تھے وہ ان سے لے لیے گئے اسوقت جب ارگنس کے انتظامات کیے گئے مال کے عہدہ دار مقرر کیے گئے اور پولس کا علحدہ انتظام ہو تو دیسمکھوں کے لا اینڈ آرڈر کے اختیارات مسدود کردیے گئے جب وہ سسٹم بند کردیا گیا تو اوس زمانے میں جو دیسمکھ اور دیسپانڈے تھے انہوں نے پروٹسٹ کیا کہ ہم سے فرائض لے لیے جا رہے ہیں یہ فرائض موروثی ہیں اور ان اسناد کی بنا پر ہیں جس میں لکھا گیا ہے کہ سورج اور چاند جب تک باقی ہیں اسوقت تک یہ عطایا باقی رہینگے اسلیے جو عطایا ہیں وہ کیسے چھینے جاسکتے ہیں اوس زمانے میں مصلحتاً سر سالار جنگ نے مناسب سمجھا کہ فرائض لے لیے جائیں لیکن معاوضہ کو کچھ کم کرکے دیا جائے تھوڑے سے اراضیات بطور سری کے دیکر ان کے خدمات کے معاوضہ کو اسطرح باقی رکھا گیا اسطرح دیسمکھ اور دیسپانڈوں کے رسوم چلے آرہے ہیں دیسمکھ دیسپانڈے سر دیسمکھ سر دیسپانڈے یہ چار عہدہ دار ہر پرگنہ کھلے ہوئے تھے۔ انکے معاوضوں کی مقدار یعنی جو رسوم انکو ادا کیے جاتے تھے انکی مقدار ۹ لاکھ سالانہ ہوتی تھی اسی طرح دسبند دار ہیں تالابوں کی نگہداشت کے معاوضہ میں دسبند دیا جاتا تھا پچھلے زمانے میں مالدار لوگ تالاب بناتے تھے

کی ں بد ـــ کے میں کی د کے ما ہ سامد وی و ـــ ہ ھما ے ں
ھاں نہیں و ہ ہم ہیں عطایا حا ص حسب ی دے کی
ں ں کہ جس مالات کی نکی نکے ـــ نہیں ہکی جاے ـــ ھوی ہے ست ں ـــ د
سال وہا تھا ںکی ں س سا ہ ما سو ہ ے ے ے
مالاوں کی مر ـــ کی د ہ دری من دیا ـــ ں ی ے الیے س د ی و
دستد دوں حھوڑ کر رقم کا نردست ما ی ماما ہ ـــ ! وہ ـــ
س ہ مساود کرے کا ھاں ہے ہ ل می ہے لا دیا گیا ہے سمکھ سانہے
مسمکہ اور سد قدے کو مو رسو د ے ہ ـــ ھیے ک ہد مامـــ ں
ل میں تاج کلاز ھیں ں نا کلارس ں ے رہلی ہ سونا
(Operative clause) ہے و ہلا ہر ہے کلا ں ما نا ہ

Government may by notification from time to time add to the cash grants so specified

اس کے سب کلاز ( ) میں مانا گیا ہے کہ مو سب ں حن کی مہرحب لنکی ہے ں ہ ں
عطاناتے ہ کلاز متعلق ہوگا من میں مانا گیا ہے کہ

This act shall apply to the cash grants specified in the schedule

سکے سب کلا میں ہ مساود گیا ہے تا ہد تاہے تو سب ک وسکسیں
و (Issue) کرکے و اورہ مضمون ں ما ہ سکی ہے کی وجہ ہے ہ
ہیں ـــ کیاس کر میں (Cash grants) سے ھیں ہکے ہے ں اس ی
طرح ـــ عملی ں ہوسکی میں ـــ من تابع ما ں گرسں د ما کے ما و ھی
ہیں ہیں ہیں مثلا عرفر روسہ دری ہے مختلف قسم کے ساھت و ما ں گ ں ں
انکو بند کرنے کا رد گورنمنٹ رکھی ہے لیکن بکے سہ (Nature) ہ کے
سر ط کیا ھیں نکے بارے میں اپنی معماب و ی وسکی سلیے ہ ما ہ ں
کیا گیا لیکن بادی نظر میں انکو بند کرنے ہ گو ـــ ر ر ـــ ش عسں ہے
ہی ھیں حکے مر ھی سکروں برس پہلے بند ہوسکے ھیں حی ہو اس دے ہ
نہیں اوز و حی مر ص کو دا کرے نہیں ایک عر ہ ـــ د ں ش ھں و ں
معاوضہ ما ہے ھیں کلاز کے سب کلاز ۲ میں گورنمنٹ ہ ـــ ھی ہے ـــ ہ ہ ر
ملے کہ نوسکس کے درجہ س کے ضمیمہ میں اضافہ کرکے ہ معیار ہلے جاتا جارہا
ہے کہ ـــ ہے ہ ہے دوسرے عطایا کی سبب نہی ضمعاب کے بعد اے نا ھاے ہ
و مانی مستودی ھیں تو ان کو بھی اس میں سرنک کیا جاسکے اور نک نوعیت س کے
درجہ انکو ضمیمہ میں شامل کیا جاسکے مثلا ہ دہ ں گو ـــ ہ ح یکے بعد س
مدحہ یہ سمجھی کہ مرمرسہ دری ہلا معاوضہ بند کردے ـــ کے قابل ہے سی

ضرورت تو نو بجٹ میں کے ذریعہ اس ضمیمہ میں شامل کیا جائیگا انکو پھر اسمبلی میں لانے کی ضرورت نہ ہوگی۔

جہاں تک کیاش گرانٹس کا تعلق ہے انکی مسدودی یعنی عمل اس ہاوز میں میں سمجھتا ہوں کہ کسی پارٹی کو کوئی اختلاف نہیں ہے جو پارٹی ابھی واک اوٹ کرکے ہاوز سے گئی ہے اور جو پارٹیاں یہاں موجود ہیں وہ سب اس پر متفق ہیں کہ کیاش گرانٹس کو بند کردیا جانا چاہیے جناب والا بجٹ کے مباحث کے دوران میں یہ حالانکہ ہر ایک کیاش گرانٹس کو مسدود کرنے سے متعلق ہے جناب والا میں نے ہاوز کو اطمینان دلایا تھا کہ جہاں جلد ہوسکیگا انکے متعلق جانچ کے بعد ہاوز کے سامنے ایک بل لایا جائیگا اسی سلسلہ میں یہ مختصر سا بل پیش کیا جارہا ہے اور کلاز ۲ کے ذریعہ یہ اختیار حاصل کیا جارہا ہے کہ ان گرانٹس کے سوا جو گرانٹس جانچ میں آئے ہیں ایسے جائز نہیں مسدود کردیا جانا مناسب تصور کیا جائے انکو ایک نوٹیفکیشن کے ذریعہ ضمیمہ میں شامل کرنے کی اجازت دیجائے۔

کلاز (۲) آپریٹو پورشن (Operative portion) ہے اس میں بتایا گیا ہے کہ یکم اپریل ۱۹۵۲ء کے بعد سے جب کبھی بھی مالی سال (Financial year) میں کیاش گرانٹس واجب الادا ہوں اس ایکٹ کے نافذ ہوتے ہی انکی ادائی بند ہوجائیگی

Commencing on the 1st day of April 1952 and in any subsequent financial year shall be discontinued and cease to have effect immediately on the commencement of this Act

قانون کے نفاذ کے ساتھ ہی کیاش گرانٹس بند ہوجائینگے باوجود اسکے کہ وہ کسی قانون سند حکم عملدرآمد یا کسٹم کی روسے واجب الادا ہوں۔

کلاز (۴) روسیجر کے بارے میں ہے کلاز (۵) میں یہ ہے کہ اگر عمل میں کوئی دقت پیدا ہو تو اسکو رفع کرنے کا اختیار حکومت کو دیا گیا ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ اس بل کے بارے میں کوئی اختلاف رائے ہونے کی گنجائش نہیں ہے جیسا کہ اسٹیٹمنٹ آف آبجکٹس اینڈ ریزنس (Statement of Objects & Reasons) میں بتایا گیا ہے ان حصوں کو ڈس کنٹینیو (Discontinue) کیا جاسکتا ہے اور اس بل کے ذریعہ ضمیمہ میں اضافہ کے پاورس بھی طلب کیے جارہے ہیں میں امید کرتا ہوں کہ ہاوس اس بل کو منظور کریگا

شری جی راجہ رام۔ مسٹر اسپیکر سر۔ آنریبل چیف منسٹر نے کیاش گرانٹس کو بند کرنے کے سلسلے میں ہاوس کے سامنے جو بل اس وقت لایا ہے میں اپنی پارٹی کی جانب سے میں اس کو ویلکم (Welcome) کرتا ہوں (خیر مقدم) اس میں شک نہیں کہ ابھی حصوں پر ہم نے بجٹ پر مباحث کے دوران میں کافی اعتراض کیا تھا اور

ہمیں یہ محسوس کرتے ہوئے خوشی ہوتی ہے کہ گورنمنٹ نے ہمارے جذبات کا خیال رکھا۔ اور اس جانب عملی اقدام کیا

This is a good beginning, if not, a humble beginning

میں اس موقع پر گورنمنٹ کو دلی مبارکباد دینا مناسب نہیں سمجھتا اسلئے کہ یہ بہت بڑی خبر نہیں ہے۔ یہ سب چیزیں زمانہ کے لحاظ سے بہت فرسودہ ہو گئی تھیں۔ یہ نہیں اگر ہم جاری رکھنا بھی چاہیں تو وہ جاری نہیں رہ سکتی تھیں۔ آنریبل چیف منسٹر نے کہا ہے کہ جو چیزیں اس بل میں نہیں ہیں اور لسٹ میں ہیں انکے لیے بھی گورنمنٹ کو اختیار دیا جائے تاکہ وقتاً فوقتاً ترمیمات کرکے اس لسٹ میں شریک کر سکیں۔ لیکن میں نے آنریبل چیف منسٹر کی تقریر میں انعام کا ذکر نہیں سنا۔ کیا گورنمنٹ ابھی اسے بحال رکھنے کی ضرورت سمجھتی ہے؟ میں سمجھتا ہوں کہ انعام کو بھی کیاش گرانٹس کے ساتھ ساتھ بتدریج صحیح طور پر مسدود کرنے کیلئے حکومت آگے بڑھے کیونکہ ہمارا بجٹ ڈیفسٹ بجٹ (Deficit budget) ہے اور ہمیں ہر لحاظ سے خسارہ کو پورا کرنے کی کوشش کرنا ہے۔ ہمیں یہ صرف اس قسم کی چھوٹی چھوٹی رقومات کو بند کرنا ہے بلکہ مختلف ڈپارٹمنٹس میں اکانمی میزرس (Economy measures) اختیار کرنا ہے۔ مجھے اس بل کے ساتھ اور ایک بل دیکھکر تعجب ہوا۔ پھر دوسرے بل پر جب بحث ہوگی میں تفصیل سے اپنے خیالات ظاہر کرونگا۔ اس بل کی یہی صورت ہے جیسا کہ چند دنوں پہلے آنریبل چیف منسٹر نے کہا تھا کہ ایک طرف تو کوآپریشن کیلئے ہاتھ بڑھایا جاتا ہے اور دوسری طرف تیغہ دکھایا جاتا ہے۔ اسی طرح ایک طرف تو آپ رسوم اور منصب کو ختم کرنے کیلئے بل پیش کررہے ہیں اور دوسری طرف ری اسسمنٹ بل (Re assessment bill) لاتے ہیں۔ پہلے بل کو یہ صرف ہم ویلکم (Welcome) کرتے ہیں بلکہ میں آنریبل چیف منسٹر سے کہونگا کہ اسکے لیے وقت لینے کی بھی ضرورت نہیں۔ ایسے مسائل میں ہم نیوٹرل (Neutral) بھی نہیں رہ سکتے بلکہ آپ کا ساتھ دینگے۔ میں آنریبل چیف منسٹر سے درخواست کرونگا کہ ایسی جو چیزوں کے بارے میں بھی جلد تصفیات کیجائیں اور انعام کو بھی اس فہرست میں شریک کیا جائے۔ ایسی فرسودہ روایات کو ختم کیا جانا چاہیے جو ایسی چیزیں ہیں جو گذرے ہوئے زمانوں میں اپنے ایسے لوگوں کو خوش کرنے کیلئے یا انکا فیور (Favour) گین (Gain) کرنے کیلئے یا انہیں روزگار مہیا کرنے کیلئے جاری کی گئی تھیں۔ انہیں بند کردیا جانا چاہیے۔ میں امید کرتا ہوں کہ اس پر حکومت جلد سے جلد توجہ کریگی اور فوراً اقدام کریگی۔

شری اُدھو راؤ پاٹل۔ مسٹر اسپیکر کیاش گرانٹس کو بند کرنے کے لیے جو بل پیش ہوا ہے وہ صرف رسوم اور منصب کو مسدود کرنے تک ہی محدود ہے۔ میں یہ کہونگا کہ جب ان چیزوں کو بند کرنے کے لیے بل انٹروڈیوس کیا گیا ہے تو منصب

کو بند کرنے کے لیے بل کیوں نہیں لایا گیا۔ یہ جاگیریں منصب اور رسوم اٹھارویں صدی کی سیاسیات میں جو راجا مہاراجوں کی عطایا تھیں جب جمہوریت کا دور شروع ہوا ہے تو یہ چیز (   ) واقعی فرسودہ ہے اور اسکو خود بخود ختم ہو جانا چاہیے۔ نظام الملک کے زمانے میں رؤسا جیسے کیسے گھوڑوں کو جاگیریں مناصب عطا ہوتے تھے۔ رسوم مالگزاری جمع کرنے اور دیہات میں انتظام برقرار رکھنے کے لیے دیشمکھوں اور دیشپانڈوں کو دیے جاتے تھے۔ انکی کچھ ذمہ داریاں تھیں انکی ذمہ داریاں تو چلی گئیں لیکن رسوم ابھی دیے جاتے ہیں۔ انہیں بند ہو جانا چاہیے۔ ساتھ ہی ساتھ میں نہیں سمجھتا کہ منصب بند کرنے میں کیا مشکل ہے۔ اگر اس بل کے ساتھ منصب بند کرنے کی بھی تجویز ہوتی تو ایک ہی وقت میں دو کام ختم ہو سکتے تھے۔ جاگیروں کے ابالیشن (Abolition) کے بعد جب ان کا معاوضہ بند کرنے کے لیے کہا جاتا تھا تو حکومت یہ کہتی تھی کہ دستور ہمیں حارج ہیں دیا۔ لیکن جب یہ بل پیش کرکے ان چیزوں کو بھی ختم کرنے کے لیے ایک راستہ نکل آیا ہے۔ اور ہم دستور کی پابندی کے ساتھ ساتھ ایسے کام بھی کر سکتے ہیں اور ایسے صحیح قانون لا سکتے ہیں جو عوام کی بھلائی کے لیے ہوں۔ آئندہ بھی اگر ہم ایسی فرسودہ چیزوں کو نکالنے کے لیے اقدام کریں تو ٹھیک ہی ہے کہ کاشی نویس کی اور یہ بل ... نیکی۔ یہ کہتے ہوئے میں اپنی تقریر ختم کرتا ہوں۔

شری مادھو راؤ نرلکر (   ) مسٹر اسپیکر سر، آنریبل چیف منسٹر نے جو بل پیش کیا ہے میں اسکو اس لیے اہمیت نہیں دیتا کہ دیشمکھ یا دیشپانڈے یا سردیشمکھ نے کو مالگزاری وصول کرکے جو رقم دیجاتی تھی وہ بند ہو رہی ہے وہ تو پہلے ہی سے مالدار ہیں۔ گورنمنٹ کی جانب سے انکو رقم دیے جاتے ہیں ان پر کوئی اثر نہیں پڑتا لیکن میں اس بل کو اسلیے اہمیت دیتا ہوں کہ ہمارے ملک کی سینکڑوں سال کی روایات ختم ہو رہی ہیں۔ یہ دیشمکھ اور دیشپانڈے اپنے آپکو گاؤں کا راجہ سمجھتے تھے۔ میں سمجھتا ہوں اس بل کی وجہ سے انکا وہ پرانا گھمنڈ ٹوٹے گا۔ عوام ان دیشمکھ دیشپانڈوں کے گھمنڈ میں کچلے جا رہے تھے۔ عوامی راج آنے کے بعد آنریبل چیف منسٹر نے جو اقدام کیا ہے اس سے ثابت ہوتا ہے کہ سچ مچ ہی وہ عوامی بھلائی کے لیے کام کرنا چاہتے ہیں۔ اس سلسلے میں میں یہ عرض کرونگا کہ انعاموں کو بھی بند کیا جاتا تو اچھا ہوتا۔ مگر ہمیں امید ہو چکی ہے کہ بعد اس جانب بھی قدم اٹھایا جائیگا۔ گورنمنٹ نے جہاں کے رسمداروں اور جاگیرداروں کو کافی معاوضہ دینے کا فیصلہ کیا ہے ایسے ہی بل کے ذریعہ انکا معاوضہ بھی ختم کیا جاسکتا ہے۔ یہ مسئلہ نہ صرف گورنمنٹ کے مفاد کا ہے بلکہ ملک کے مفاد کا بھی ہے۔ یہ لوگ سرکار سے معاوضہ لیکر اپنے آپ کو سرکار کا داماد سمجھتے تھے۔ کہنے کا مقصد یہ ہے کہ وہ اپنے آپ کو سرکار کا بازو سمجھتے اور غریب لوگوں کو کچلنا اپنا حق سمجھتے تھے۔ میں سمجھتا ہوں اس بل

a B ll to d co certa n
classe of Casl G t he
State of Hyderabad

ی و ے کو ﻄ ﻮے ﺎکہ ﺪ ا + گے س
ل کے ے ص طو ﻣی ﻮ ل ﻊ ﺴﺮ و ﮑﻮﺖ ﻮ ﺎ کریا
ھوں و ﺎ کھ ﮭﻮں ﺪ ﮩی ﻣی ی و ﺎں گو م گوے کے ے و
س لاے کے

श्री दासमराव देशमुख (म मिनावाद जनरल) अ यक्ष महाराज आज अ प य समोर देशमुख आणि देशपा यांना सरकारतर्फ मिळणारे हक्क बंद करण्यासाठी ज बिल सभागृहासमोर आणण्यात आले आहे ते पाहून मला खरोखरच फार आनंद होत आहे मी सुद्धा अक देशमुख आहे फार पूर्वीच्या काळापासून या देशमुख आणि देशपांडे लोकांनी अडचणीवरून आपली सत्ता चालविली पण त्याच्या माग अक राज्य सत्ता होती आणि त्यामुळे मा यमान हे लोक आपला अधिकार गरीब लोकावर गाजवीत असत पण आज यम हे बिल अ ण यामुळे म चीफ मि स्टराचे मन पूर्वक अभिनंदन करतो

= बिल आपने हे तर फार चांगले आणले पण मला असे विचारावयाचे आहे की दुसऱ्याही काही लोकांच्या करिता तुम्ही अशा प्रकारचे काही कायदे करणार आहात काय याप्रमाणे अकाद्या माणसाची मुलाच्या बारशाला साखर टाकतो आणि दुसरीकडे शकला १ याच प्रमाणे याच ही असो अशा प्रकारे आपण फारतर पाच गाव त्यांची सूट भरून काढ पण या या अब जपणकार की मोठी सूट आहे ती भरून काढण्यासाठी टॅक्स बसविण्या व्यतिरिक्त आपण काय करणार आहात काय आपण आता निजामाला दरवर्षी जी रक्कम देत आहोत ती आपण बंद केली पाहिजे याच प्रमाणे मोठमोठ्या रकमा या सरकारतर्फ जागिरदाराना दिल्या जात आहेत याह बंद करायला पाहिजेत म्हणजे आपणाला टॅक्स न लावता ही आप आपल्या अंदाजपत्रकात येणारी तूट भरून काढता येईल अशा प्रकारे तुम्ही जर जनतेच्या हिताचे कायदे आणले तर विरोध पक्ष तुमचे आवश्य सहकार्य करील पुन्हा अकदा ह बिल आण याबद्दल मी सरकारचे मन पूर्वक आभार मानतो

श्री भगवानराव गांजवे आज जो बिल पेश हो रहा ह जिसके बारे मे अपोजिशन के आनरेबल मेम्बरान यह कहा कि सिफ हमारे कहने की बिना पर ही यह बिल पेश किया गय ह लेकिन मैं अ प पर यह बात करना चाहता हू कि कांग्रेस पार्टी न लोग से सामन जो प्रोव्हिजन (P ov s on) और प्रोग्राम रखा था उसको फुलफिल (Fulfil) करन की आज कोशिश की जा रही ह और आज जिसका स्वरूप हाउस के सामन आ रहा ह अपोजिशन क तरफसे जो कुछ कहा गय जिसका मतलब यह जिक नहीं आ रहा ह जो लोग कांग्रेस मे ह उन्होन अवामकी सही नुमाइंदगी करन का दावा करते हुआ अवाम का अतमाद हासिल किया ह जिस लिय यह समझना कि महज अपोजिशन के कहन का बिना पर ही गवनमट कुछ कर रही ह गलती होगी कांग्रेस पार्टी ने अवाम की बहबूदी को सामन रखत हुय हुकूमतको मजबूर किया और लोगोंके बहबूदी के जो भी मसायल ह उनको हल करन का कोशिश की ह यह कहा गया ह कि जितन बिल्स टक्सेशन के ह वही हमारे सामन आते ह या अगर अपोजिशन स यह कहूंगा कि गवनमट चाहता ह तो जिसके लिय जितन जराय आमदनी के हो सकते हैं जिनको देखना पडगा टक्सेशन के बिल आते ही अ प मुखालिफत करत

ह लकिन यह नह देखते कि आमदनी के लिय कोनसे अलटरनटिव (Al e nat ve) हो सकते च सब गात असे ह कि जिन को ह अस के सामन फौरी नही लाया जा सकता कोअ बिल हाअस के सामन जिसवक्त तक नही म अ सकता जब तक जिसपर पूरी तरह गोर न किया जाय और जिसकी जाच न हुवी हो यह देखना पडता ह कि दूसरे मुमालिक मे क्या हो रह ह त्यो की हम देखत कि आज मरतबा असे मकद्दमात हायकोट मे पेश होते वहा बहस होती और हायकोट गवनमट के खिलाफ फसला देता ह जिस से गवनमट को धक्का पहुचता ह जिस लिय गवनमट को काफी सोच विचार करना पडता ह म पोजिशन के मेम्बस को यह यकीन दिलाना चाहता हू कि जिन बिल क वह जल्द से जल्द लान चाहते ह उनको जिस बाजिब के आनरेबल मेम्बस भी चाहते ज क्सेशन दिल अ रह ह जिसक बार किसी खास तबके पर नही पड रहा ह बल्कि आम तोर से जिसक बार सब पर पड रहा ३ ३ स ज से कनटक्सेशन का रिविजन (Rev s on) नही हुआ ह जिस लिय जिस बि क न रोक जाय आखिर मे म हाअुस के आनरेबल मेम्बस से विनती करूगा कि वह जिस बिल को पास करे

Qual fy

Qual ficat on

Usefulness

Pos t vely Ha mful

(Cash Grants)

علحدہ بل لے رہے ہیں ... ماب کی ... منصب ... دی ... منصاب
نہیں ہو رہے ہیں ... سب کو ... تک کو کیں ... نکالا جاسکتا ہے منصب
( ) کردیے گئے ہیں کیا جاسکتا ہے ... سال کے بعد ... ج
کے منصب ہوئے ہیں ... ان میں یہ کہ منصب ہاوجود ... گے ... کی شخص کی
جاگیر نہیں ... دوسرے جاگیر انکو منصب ہی نہیں ... دیا ہے
کہ جاگیر کے معاہدہ میں ... منصب نہیں ... کسی شخص کو ... دیا جائے
کیونکہ یہ دیکھا رہا ہے کہ ... میں ... خدمگار ... پیدا ہو ...
یہ نہیں کہا کہ ... انکو ... ہی نہ ... جائے بلکہ یہ دیکھا ہے کہ ... نہیں
معاوضہ ادا کیا رہنگا یا نہیں ... قسم کے ... ہیں ... کہا گیا
کہ یہ جاگیر ... اور ... عام ملک کے ... زندگی ... میں نہ
ملا دیا جاتا ہوں کہ ... رو ... ولی ... ہے ... ہے
بھی ان منصب داروں میں ہیں جنکی امداد نہ ... ہر ... لیے ... سکھیا
ہے کہ ان کا ... کسی نہ ... پڑتا ہے ... اسکے علاوہ منصب داروں کی ... ہے
انہوں نے حکومت کے پاس یہ ریپریزنٹیشن (Representation) بھیجا ہے
کہ اب جو چاہیں کریں لیکن ایک مرتبہ ہماری بات بھی سن لیجیے ... میں
یہ کہنا چاہتا ہوں کہ یہ صرف ... نہ ... انصاف ہو (جیسا کہ میں سمجھتا ہوں یہ
میں انصاف کررہا ہوں) بلکہ ... سیدھے راستے نکلنے ہیں تو انکو بھی ... کر
جانا چاہیے ... اسلیے میں اسکو بھی ... کرلینا ضروری سمجھتا ہوں ... ہم ... ہیں
عوام ہیں اسی طرح منصبدار بھی عوام ہیں ... سے ... ہیں ... کی
بھی بات سنکر اسکا تصفیہ کرنا پڑیگا ... اسلیے منصبداروں ... بل ... شامل نہیں
کیا گیا ... انکے دلائل سننے کے بعد ... تصفیہ ہوگا تو انکے نام بھی ... شامل
کرلیے جاسکتے ہیں ... اس بارے میں ... پہلے ہی ایک قانون بن چکا ہے
جسکی رو سے انکی ... معمولی ... قرار دیگئی ہے ... میں ایک ... ہے
جسکی رو سے اگر ایک روپیہ مالگزاری ہو تو ان سے صرف دو آنے وصول کیے جاتے ہیں
لیکن ہم اس پر سوچ رہے ہیں اور اسبارے میں ایک ... بھی جاری ... گیا
ہے ... ہم ... غور کر رہے ہیں کہ جب انکو ... داری ... دیگئی ہے ... ہے ... تو
مالگزاری سرکار کو ملنا چاہیے کیونکہ اس سے سرکار کو ... لاکھ روپیہ کی ... آمدنی
ہوگی ... اسلیے پوری مالگزاری لینے کےلیے ایک بل تیار ہو رہا ہے لیکن ... جو
قانونی پیچیدگیاں ہیں ... مثلاً یہ کہ اگر ... ہیں ہو تو کیا کرنا چاہیے اور اگر ... ہیں
ہو تو ... کا ... کس کے ذمہ ہو ... اور اگر ... ہو تو کیا کرنا چاہیے ... ایسی
تمام باتوں پر غور کیا جا رہا ہے اسلیے اس بارے میں علحدہ بل لایا جائیگا ... اور میں
آپ سے وعدہ کرتا ہوں کہ آیندہ سیشن میں یہ بل پیش کردیا جائیگا

جناب صدر ممبران نے جاگیر داروں کے کمیوسس اور نظام کے معاوضہ کا سوال پھر سے اٹھایا ہے تاکہ میں نے پہلے بھی کہا اور اب بھی یہی کہتا ہوں کہ اس بارے میں گورنمنٹ آف انڈیا سے کچھ (Covenants and agreements) ہوئے ہیں ان اگریمنٹس سے ہم کانسٹیٹیوشنلی (Constitutionally and Legally) اور لیگلی کس حد تک بونڈ (Bound) ہیں یہ دیکھنا پڑیگا کیونکہ ان معاملات میں جب تک کہ گورنمنٹ آف انڈیا اور حکومت حیدرآباد میں خط وکتابت ہو کوئی قطعی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا اور نہ اس کے لیے کوئی قانون ہی بنایا جاسکتا ہے کیونکہ یہ قبل از وقت ہوگا اسلیے دستوری و قانونی نتائج پر غور کیے بغیر کوئی مسئلہ حل نہیں کیا جاسکتا

دوسری چیز یہ ہے کہ میں نے رسوم کی مسدودی کا جو بل پیش کیا ہے وہ کسی کو لالچ دینے کی خاطر پیش نہیں کیا میں جانتا ہوں کہ اپوزیشن ممبر آف دی ہاؤز اس قسم کی چھوٹی لالچ سے بہت اونچے درجہ پر ہیں اور وہ اس جال میں آنے والے نہیں ہیں ہر ایک بل جو آتا ہے وہ اپنے میرٹ (Merit) پر قائم ہوتا ہے اگر اس میں کوئی میرٹ نہ ہو تو اسکو ریجکٹ (Reject) کیا جاسکتا ہے لیکن میں یہ دلانا چاہتا ہوں کہ میں نے پہلے ہی اسکو لانے والا تھا اس کے بارے میں مجھ پر کسی قسم کا پریشر (Pressure) ہاؤز کے اس جانب سے نہیں پڑا نہ اپوزیشن کا کوئی پریشر مجھ پر پڑا میں نے خود اسکو اپنے طور پر لایا ہے اور مجھے یقین تھا کہ آپ سب لوگ بلا کسی پارٹی کے امتیاز کے اسکی تائید کرینگے اسی وجہ سے میں دیکھ رہا ہوں کہ یہ بل قبول ہے اسلیے میں آپ سے درخواست کرونگا کہ اس بل کو پورے طور سے منظور کرلیا جائے

Mr Speaker The question is

That L A Bill No XXII of 1952 a Bill to discontinue certain classes of Cash Grants in the State of Hyderabad be read a first time

The Motion was adopted

اسکے بارے میں میرے پاس کوئی امنڈمنٹ نہیں آیا اور میں سمجھتا ہوں کہ امنڈمنٹ کےلیے گنجائش بھی نہیں ہے

شری بی راجہ رام میں یہ خواہش کرونگا کہ چونکہ ہاؤز سے ایک پولیٹکل پارٹی غیر حاضر ہے اسلیے میں سمجھتا ہوں کہ اس پارٹی کے اپوزیشن ممبرس کو موقع ملنا چاہیے تاکہ اگر اس پر اپوزیشن ممبرس کچھ کہنا یا امنڈمنٹ پیش کرنا چاہیں تو انہیں موقع مل سکے اسلیے فرسٹ ریڈنگ کو دوسرے دن (Postpone) کیا جائے اور امنڈمنٹ کےلیے موقع دیا جائے تو مناسب ہوگا

شری سری پد راؤ لکشمن راؤ: جو اسپیکر نا ہو گیا ہے کہ جو ممبر یہاں غیر حاضر ہیں اسلیے ان کو موقع دیا جانا چاہیے یہ میں عرض کروں گا کہ یہ کسی طرح صحیح نہیں ہے جس طرح یہ بل ان کی جانب سے پیش ہوا ہو اسکو پیش نظر رکھنا چاہیے اور میں جناب والا کی توجہ دفعات ۳۴ ۳۶ ۳۷ ۳۸ کی طرف مبذول کروانا چاہتا ہوں۔

شری بی رام کشن راؤ: میں بھی یہی سمجھتا کہ بل بارے میں امینڈمنٹ دینے کا موقع دیا جانا چاہیے۔ اگر اس بل میں کوئی ممبر ایسے ہوں جن کے متعلق میں آنریبل ممبرس اپوزیشن کی طرف سے امینڈمنٹ کی گنجائش محسوس کرتا ہوں تو میں ضرور آنریبل ممبر کے مشورے سے متفق ہوتا لیکن وہ بات میں اس بل میں نہیں پاتا۔ دوسری چیز یہ ہے کہ عام طور پر دستور یہ ہے کہ ابسنٹ ممبرس (Absent Members)کے لیے وقت دینا نامناسب ہے۔ وہ تو ایسے ابسنٹ ممبرس ہیں جنہوں نے واک آؤٹ کیا ہے۔ ایسے لوگوں کے انتظار میں بل کو روکنا مناسب نہیں۔ اگر وقت کی تنگی کی وجہ سے اگر آنریبل ممبرس کو امینڈمنٹ پیش کرنے کا موقع نہ ملا ہوتا تو یہ خواہش صحیح ہوتی لیکن یہاں کوئی ایسی چیز نہیں۔ ناگہانی وقعات سے کوئی ایسا نہیں ہوسکتا اسلیے جو لوگ اس طرح غیر حاضر ہیں اور جن کی وکالت آنریبل ممبر فرما رہے ہیں۔ وہ صحیح نہیں ہے۔ ان کو ایسی وکالت نہیں کرنی چاہیے۔ جن حالات میں وہ غیر حاضر ہوئے ہیں اسکے پیش نظر کوئی وقت دیا جانا مناسب نہیں ہے۔

شری بی راجہ رام: میں ان کے واک آؤٹ کے جسٹیفکیشن (Justification) کی وکالت نہیں کررہا ہوں۔ میں صرف یہ کہہ رہا تھا کہ ہاؤز میں ایک انسیڈنٹ (Incident) ہوا اور اسکی وجہ سے وہ ہاؤز سے باہر ہیں۔ اگر انہیں وقت دیا جائے تو ممکن ہے وہ کوئی امینڈمنٹ دے سکیں۔ میں ان کے بارے میں وکالت نہیں کر رہا ہوں صرف یہ کہنا چاہتا ہوں کہ ایسے لوگوں کو بھی موقع دینا ٹھیک ہوگا۔

شری بی رام کشن راؤ: جناب اسکے آنریبل ممبر یہ کہیں کہ ہم کوئی امینڈمنٹ پیش کرنا چاہتا ہوں مجھے موقع دیا جائے تو میں خوشی سے اس کے لیے راضی ہو جاتا لیکن جو لوگ غیر حاضر ہیں ان کے بارے میں وکالت جو کی جا رہی ہے وہ مناسب نہیں ہے۔

مسٹر اسپیکر: ابھی اس سے دریافت کرنے پر معلوم ہوا کہ اس بل کی دستاں کل دیگئی ہیں۔ ہمارے ہاں عام طور پر ایک روز پہلے دستاں دیجاتی ہیں تا کہ جس کسی کو اس کے بارے میں امینڈمنٹ پیش کرنا ہوں کریں۔ اس لحاظ سے ایک دن کم دیا گیا ہے۔ میں نہیں سمجھتا کہ محض اسکی وجہ سے فرسٹ ریڈنگ روک دیجائے۔

شری بی راجہ رام کیا بل انٹروڈیوس ہونے سے پہلے ہی اسسمنٹ بھیجا جاسکتا ہے

مسٹر اسپیکر یہ بل گزٹ میں پبلش (Publish) ہوگیا ہے

شری بی راجہ رام لیکن گزٹ ہم کو نہیں ملا وہی دریافت کیا ہے

شری ادھو راؤ پٹیل اس بل کے لیے کم از کم دن کی نوٹس دینے کی ضرورت ہے لیکن کیا یہ صحیح ہے کہ اسپیکر کو یہ اختیار ہے کہ عین وقت بل کے پیش کرنے کی اجازت دے

مسٹر اسپیکر ان قانونی اصول کو پیش کرنے کی ضرورت نہیں کیا آپ خود اسٹیٹمنٹ پیش کرنا چاہتے ہیں؟ مجھے یہ دیکھنا ہے کہ کیا واقعی کوئی صاحب ایسے ہیں جو اسٹیٹمنٹ پیش کرنا چاہتے ہیں اگر ایسا ہے تو وہ پیش کرسکتے ہیں لیکن اس بارے میں اگر اس طرح بحث کی جائے تو کوئی نتیجہ نہ نکلے گا

شری شرن گوڑ (حضور نگر آدولہ) میں اس بل کے بارے میں اسٹیٹمنٹ پیش کرنے والا ہوں اسلیے درخواست کرتا ہوں کہ کل ایک دن کے لیے موقع دیا جائے

شری وی رام کشن راؤ میں آنریبل ممبرس کو انکے حق سے محروم کرنا نہیں چاہتا میرا اصرار صرف اس پر ہے کہ غیر حاضر ممبروں کے لیے موقع دینے کی کوئی ضرورت نہیں

شری شرن گوڑ غیر حاضر ممبروں کے متعلق جو بار بار بحث ہو رہی ہے وہ مناسب نہیں

مسٹر اسپیکر جو بل لینڈ ہاؤزنگ کے لیے آتا ہے اسکے متعلق جب سے اسٹیٹمنٹ آئے ہیں ابھی وہ ثابت نہیں ہوسکے اس وجہ سے لینڈ ہاؤزنگ بل ڈسکس کے لیے پیش نہ ہوسکا اب میں سمجھتا ہوں کہ بل نمبر (۲) سنہ ۱۹۵۲ ع پیش کیا جائے

L A Bill No XXI of 1952 a Bill to provide for the Levy of Special Assessments on certain lands in the State of Hyderabad

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to introduce L A Bill No XXI of 1952 a Bill to provide for the levy of Special Assessments on certain lands in the State of Hyderabad

Mr Speaker L A Bill No XXI of 1952 is introduced

شری بی راجہ رام فسٹ ریڈنگ پر ڈسکشن ہونے سے پہلے میں ایک عرض کرنا چاہتا ہوں وہ یہ کہ کل ہی رات کو یہ بل ہمارے ہاتھوں میں آیا ہے پہلے سے ہی ہاؤزنگ بل

ھمارے سامنے ہے اور دستکھوں کے سوم کے سلسلہ میں ہ حوبل
ں کے کو امپلیکیشن (Implication) ھو گیے ہیں ہم نہ
ے گئے بدبل بنا ہے کہ میں دھاوریں کاں سکس ھوتا ملے وسب ریدنگ
لیکن میں کل نہا رکھے ہیں تاکہ سہاب بس دے کا موقع رہے

سری بی رام کسن راؤ میں سمجھتا ھوں کہ وسٹ ریڈنگ کے حدل دسکس
ھو جائے کچھ نو کام ھم کرلے سکینگے جیسا کہ اب سے دماغا کہ لہ ھاورنگ
ل کے ممبرس کو دلاسہ بہی ھوسکے لہذا وہ ل مکمل ریڈنگ کے لیے بہی لیا جاسکتا
ہے گو اس بل میں جنرل ڈسکس ھو جائے تو ٹھیک ھوگا میں سمجھتا ھوں کہ
اس بل پر جنرل ڈسکس کرنے کے لیے تیار نہیں ھیں نہ ناسمجھے قابل طمیان نہیں معلوم
ھوتے ہیں کہ ان کے نے و تیار ھیں لیکن غالبا اسٹمنٹ کے لیے تیار ہیں ھیں
جیس کہ ان کو موقع دیا جائے تو مناسب ھوگا لیکن یہ عالی جناب کے
ڈسکریشن (Discretion) پر ہے

سری بی راجہ رام دھر بل ھاتھ میں دیا جائے اور دھر جنرل ڈسکس
کےلیے کہا جائے یہ ھمارے لیے ناممکن ھوگا چونکہ ھم نے سٹڈی (Study)
نہیں کی ہے اسلیے اس کو کل پر رکھا جائے تو مناسب ھوتا

مسٹر اسپیکر میں سمجھتا ھوں کہ فسٹ ریڈنگ کے سلسلہ میں موور صاحب نے ری بل
سکی وصاحب کر دی جیسا کہ معزز ارکان کا کہنا ہے کہ انہوں نے رپورٹس کی ٹائپ
سٹڈی نہیں کی ہے نہ فسٹ ریڈنگ آج ختم ہو جائیگی لیکہ وہ کل بھی جاری
رھیگی جہاں تک میں سمجھتا ھوں اگر موور کے دلائل سامنے جائیں تو پالیسی
بحث کرنے میں زیادہ سہولت ھوگی

Shri B Ramakrishna Rao I beg to move that L A Bill No XXI of 1952 a Bill to provide for the levy of Special Assessment on certain lands in the State of Hyderabad be read a first time

Mr Speaker Motion moved

چونکہ دوسرے اسد سے وغیرہ اس سلسلہ میں جو ھیں ابھی تک تیار نہیں ھوئے
ممکن ہے کہ (؟) میں تک تیار ھوں یا نہ ھوں اسلیے آدھا گھنٹہ ھم اس کے لیے سکیں

شری بی رام کشن راؤ اس بل کو پیش کرتے ھوئے اس سلسلہ میں کچھ
وضاحت کرنا چاھتا ھوں

یہ بل ایک سکرین میں بل ہے میں جانتا ھوں کہ سکرین کے وجوہ جانے کیسے
ھی معمول کیوں نہ ھوں عام طور پر ایسا بل پسند نہیں سمجھا جاتا کیونکہ معمولی

یہ معقول ہو سکتا میں پسند نہیں کرتا کہ … میں وضاحت کہ اس میں کچھ دینا پڑتا ہے اس میں شک نہیں کہ ارکان ممبران یہ محسوس کریں گے کہ ملک میں حالات سے گزر رہا ہے وہ ایک قسم کی جو کساد بازاری و معاشی کشمکش ہے اسکے لحاظ سے یہ ما ٹیکس عام طور پر رعایا پر لگانا نامناسب ہے میں ہاؤز کو یہ یقین دلانا چاہتا ہوں کہ میں بھی ان حالات کا معتقد تھا اور اب بھی ہوں لیکن میں محسوس کرتا ہوں کہ موجودہ حالات میں نا گزیر معاشی ٹیکس کا کوئی اور سطور پر حکومت نہیں چلاسکتے

صدر ورت کے تعاون میں مالگزاری اضافہ کرنے کا مسئلہ آج کا نہیں ہے بلکہ سال بھر سے حکومت حیدرآباد کے زیر غور ہے گذشتہ حکومت کے دور میں جبکہ ریونیو منسٹر کی حیثیت سے میں بھی کیبنٹ میں شامل تھا یہ مسئلہ پیش ہوا تھا میں آپ کو اس سے واقف ہوں ہاؤس اچھی طرح جانتا ہے کہ حیدرآباد کا پلاننگ کمیشن یہ سے تیار ہوا جلا گیا جو پانچ سالہ پلان ہمارے پاس موجود ہے اس پانچ سالہ … میں ہم نے بڑے بڑے منصوبے درج کیے تھے یہ صرف کاغذی تصویر نہیں بلکہ سب سے اس میں درج کیے تھے ہم نے جو پانچ سالہ منصوبہ حکومت ہند کے پاس روانہ کیا اسکے لحاظ سے قریب قریب (۶۵) کروڑ روپیہ کی رقم کا اندازہ لگا کر یہ منصوبہ تیار کیا گیا تھا لیکن حکومت ہند نے ان تمام حالات پر غور کرکے مشورہ دیا کہ اس منصوبہ کا ڈرافٹ مبالغہ آمیز ہے اتنی رقم ملسکتی ہے اور نہ پانچ سال میں اتنا کام کیا جاسکتا ہے حسب … کے مطابق طریقے اس میں کمی کی جانی چاہیے پھر دوبارہ ہم نے غور کیا اور … سالہ منصوبہ کو گھٹا کر ۴۰ کروڑ پر لایا اس ۴۰ کروڑ کے پانچ سالہ پلان کو گورنمنٹ آف انڈیا نے منظور کیا ۴۰ کروڑ کے منجملہ ۳۰ کروڑ خود حکومت حیدرآباد پانچ سال میں فراہم کریگی اور باقی دس کروڑ روپیہ گورنمنٹ آف انڈیا بطور لون دیگی اس منظوری کے بعد یہ پلان مرتب کیا گیا کہ پانچ سال میں اسطرح ۳۰ کروڑ روپیہ فراہم ہو جاسکے اور اس سے تنگبھدرا پراجکٹ گوداوری ویالی کی اسکیم اور دوسرے تعمیری کام کیے جاسکے لیکن پانچ سالہ منصوبہ مرتب ہونے کے کچھ دن بعد جب … دیکھے گئے اور جانچ کی گئی اور رقوم کی فراہمی کے امکانات پر غور کیا گیا تو معلوم ہوا کہ ۳۰ کروڑ روپیہ فراہم کرنا گورنمنٹ کے بس کے باہر ہے ۳۰ کروڑ کا اندازہ لگاتے وقت خیال یہ تھا کہ ۲۰ کروڑ روپیہ نے ٹیکسوں سے وصول کرسکیں گے اور ۱۰ کروڑ روپیہ بصورت لون حاصل کیا جائیگا … کے متعلق یہ خیال تھا کہ سکیورٹیز کو فروخت کرکے رقم حاصل کرسکیں گے اسطرح ۳۰ کروڑ روپیہ کی فراہمی کا خیال تھا اور گورنمنٹ آف انڈیا نے ۱۰ کروڑ روپیہ لون دینے کا وعدہ کیا تھا اسکے بعد سوچا گیا کہ ۲۰ کروڑ روپیہ کے نیے ٹیکس کس طرح لگائے جاسکتے ہیں رسوم ایک کروڑ دیا جاتا تھا اور زر مالگزاری جو لیا جا رہا ہے اس میں اڈہاک طور پر … چار آنے اضافہ کیا جائے

دو تک گرو ۲ لاکھ تک عاید ہوسکتا ہے یہ مسئلہ ایسا ہی نہیں ہو نہ میں نے ایک کا رند عربی عاید کیسے کا معاوضہ وزیر مسنہ ہونے کی حیثیت سے ان امور پر غور کیا و یہ رہے ظاہر کی کہ یہ ٹربونل نہیں بن کرسکتا ملنے کہ میں سکو تسلیم نہیں کرتا کہ ڈھائی ٹربونل بنکر سب کے دینے پر ہر ڈسٹرکٹ تو جو مقرر کیا جائے صرف حیدرآباد کا کاشتکار خود بار بار پہلے ہے اس پر بونڈ ایسا پر بار عاید کرنا صحیح ہوگا میری سمجھ میں رہے وزیر صاحب کی رائے ہے اسکو محسوس دیا گیا دوسری صورت یہ بھی کہ کیاس کراپس (Cash Crops) پر جو بار ڈالے جانے ہیں خاص ڈھارا لگایا جائے خاص نہیں کیونکہ انکی قیمت لے ہی سے زیادہ بھی صرف کپاس کر میں پر خاص ڈھارا لگایا جائے جس وقت یہ مسئلہ کیا بحث میں پیش ہو تو ہمنے اسکو الٹرنیٹو طور پر قبول کرلیا کیونکہ کپاس مونگ پھلی وغیرہ یہ ایسی چیزیں ہیں کہ کاشتکار ان سے غیر معمولی فائدہ حاصل کرتا ہے اور انکی قیمتیں زیادہ ہیں نہ صرف کاشتکار بلکہ تاجر بھی ان چیزوں سے بہت فائدہ اٹھا رہے ہیں اسلئے میں نے یہ خیال کیا کہ یہ مسئلہ ایسا ہے کہ اس پر غور ہوسکتا ہے ٹیکس کا بار جو عاید کرنا چاہیے اس کا اصول یہ ہے کہ ایسے لوگوں پر عاید کیا جائے جو اسکو برداشت کرسکیں وہ کاشتکار جو کیاش کراپس پیدا کرتے ہیں بہت زیادہ قیمتیں حاصل کرتے ہیں اور انکی مالی حیثیت اس قابل ہے کہ وہ اوپر زائد بارکو جو ان پر ڈالا جائے برداشت کرسکتے ہیں یہ صحیح ہے کہ انکی زندگی کا معیار بڑھگیا ہے اخراجات بڑھگئے ہیں پھر بھی وہ کچھ نہ کچھ جمع کرنے کے قابل ہیں اور ان پر کچھ ٹیکس لگایا جائے تو برداشت کرنے کے قابل ہیں ان امور کے پیش نظر میں نے آلٹرنیٹو طور پر اسکو قبول کیا۔

ایک دوسرا الٹرنیٹو بھی پیش کیا جاتے ہیں کہ حکومت حیدرآباد اسٹیٹ کا انضمام ہوا تو اسمیں (۸) علاقے تھے اور جو مالگزاری وصول کیجاتی ہے وہ سٹلمنٹ کی بنا پر ہوتی ہے پہلے تیس سال کے بعد رویزن ہوتا ہے تیس سال کے بعد جو علاقوں کا رویزن ہوا ہے جو دھارہ جات تیس سال قبل لگائے گئے تھے ان میں رویزن ہوا جس ایریا (Area) میں زمین پر دھارا لگایا جاتا ہے اسے کلاسیفکیشن کیا جاتا ہے سائل کلاسیفکیشن (Soil Classification) کیا جاتا ہے اس زمین کی نوعیت کی جانچ کیجاتی ہے سٹلمنٹ کے اصولوں پر جانچ کرکے دھارہ جات قائم کیے جاتے ہیں اور یہ بھی دیکھا جاتا ہے کہ جماں کی قیمتیں کیا ہیں ریلویے اور مارکٹ کا فاصلہ بھی دیکھا جاتا ہے کیونکہ ان چیزوں کا بھی خاص اثر غلہ اور اراضی پر پڑتا ہے یہ بھی دیکھا جاتا ہے کہ رعایا کی کیا حالت ہے وہ ٹیکس ادا کرسکتے ہیں یا نہیں اگر زمین کی حالت اچھی ہے تو اس پر زیادہ اور دوسری پر کم دھارہ لگایا جاتا ہے اسطرح ان تمام چیزوں کے لحاظ سے دھارہ جات کا تعین ہوتا ہے یہ سٹلمنٹ کا اصول ہے لیکن ان ۲۸ یا ۳۸ سے ۳۸ علاقے ایسے تھے جن پر مالگزاری کے دھارے عاید کرکے عرصہ سے ترمیم ہوسکے

ہیں ظاہر ہے کہ ۳۰ ۴۰ برس پہلے حالات کی جو قیمتیں اور جو معاشی حالت تھی وہ
آج نہیں ہے میں اس امر کو مانتا ہوں کہ آج قیمتیں بڑھ گئی ہیں بندوبست کے زمانے سے
آج تک ایک روپیہ کے بجائے ... بلکہ آج کا روپیہ دو روپے کے برابر ہے
کوئی شبہ نہیں ہے لیکن اس کے باوجود حالات کی قیمتیں اس زمانے کے مقابلہ میں بڑھ گئی
ہیں مارکیٹنگ فسیلیٹیز (Marketing facilities) زیادہ مہیا ہو گئی ہیں
ذرائع حمل و نقل زیادہ ہو گئے ہیں دھار جو مالگزاری وہی ہے جو ۳۰ ۴۰ برس
پہلے مقرر کی گئی تھی ۳۰ ۴۰ سال پہلے کے مقرر کیے ہوئے دھار اب آج کے حالات
کے لحاظ سے کسی طرح بھی مناسب نہیں سمجھے جا سکتے جس طرح مزدوروں کی مزدوری
بڑھ گئی ہیں ملازمین کی تنخواہیں بڑھ گئی ہیں اور ان کو الاؤنس دیے جا رہے ہیں
کاشتکاروں کی آمدنی بڑھ گئی ہے کیونکہ جنسوں میں اضافہ ہو گیا ہے اسی طرح اوس مناسب
ہے مالگزاری میں اضافہ نہیں ہوا آج بھی ۴۰ برس پہلے کے دھار جاری کیے جا رہے
ہیں بعض ایسے نمبر ہیں ۸ آنے سے زیادہ دھار نہیں ہے کہیں بار آنہ کی
جائے ایک روپیہ اور کہیں ایک روپیہ کی جائے سوا روپیہ ہو گیا ہے لیکن ان خاص علاقوں
کی رعایا وہی دھارے دے رہی ہے جو ۳۰ ۴۰ برس پہلے دی تھی کوئی یکسانیت
(Uniformity) نہیں ہے ان خاص علاقوں کی رعایا بہت مجبور ہے یہ علاقوں
کی رعایا ریویژن (Revision) کے دھارے دے رہی ہے

دوسری بات یہ کہ ایسا نہیں ہے کہ ان میں دے کی سکت نہیں ہے یہ بار بھی ...
عائد کیا جا رہا ہے جس میں اس کی سکت ہے

تیسری بات یہ ہے کہ ہم کو اس ٹیکس کی ضرورت بھی یہ بات لازمی ہے کہ جب
تک ٹیکس عائد نہ کیے جائیں تب تک گورنمنٹ کا چلنا دشوار ہے صرف ہماری گورنمنٹ
ہی نہیں بلکہ دوسری گورنمنٹیں بھی ٹیکس عائد کرتی ہیں کانگریس گورنمنٹ ... لیے
ٹیکس عائد نہیں کر رہی ہے کہ چونکہ ہماری گورنمنٹ ہے اس لیے ہم رعایا سے جس طرح چاہے
چاہتے ہیں یہ ٹیکس تھوڑا لیے جا رہے ہیں جہاں یہ ٹیکس جسٹی فائی ایبل
(Justifiable) ہیں وہیں لیے جا رہے ہیں یہ ... مطالبات ہیں جن میں حاصل
بندوبست کا ختم ہو کر تقریباً ۳۰ سال کا عرصہ ہوا اور جہاں کی رعایا ... رد ست
ہے ایسی ہی جگہوں پر یہ بار ڈالا جا رہا ہے بندوبست کے زروں کا طریقہ بندوبست ...
سے کچھ ہی کم ہے بلکہ قریب قریب ایسا ہی پراسس (Process) ہوتا ہے حساب
کی جانچ کی جاتی ہے فاصلوں کے ردوبدل کو دیکھا جاتا ہے اور شرط ... جنس
(Changes) کیے جاتے ہیں کہیں سائل کلاسیفکیشن (Soil Classification)
کی ضرورت ہو تو اس کو بھی کیا جاتا ہے اراضیات کی جنسوں میں اضافہ ... زندگی میں
اضافہ یہ سب چیزیں نظر میں دیکھی جاتی ہیں اور ان کے لحاظ سے اضافہ یا کمی کی جاتی
ہے عموماً بندوبست کے ریویژن میں اضافہ ہی ہوتا ہے لیکن دھاروں میں کمی بھی

۲۵ فیصدی سے زیادہ اضافہ نہیں کیا جاتا۔ اس بل کے ذریعہ جو رولز پیش کئے ہیں ان کے سامنے رکھا ہے وہ یہ ہے کہ تلنگانہ اور مرہٹواڑہ کے وہ (۵) تعلقے جن کا بندوبست (Overdue) ہے جب تک کہ ان کا ازسر نو مناسب بندوبست ہو کر دھارہ قائم نہ ہوجائے اس زمانے کے لیے خشکی پر ۲ آنے اور تری پر ایک آنہ اضافہ لیا جائے۔ تری پر ایک آنہ اس لئے رکھا گیا ہے کہ بندوبست اولی میں بھی تری کے جو دھارے رکھے گئے ہیں وہ زیادہ سمجھے جاتے ہیں۔ ایسی صورت میں ۳۰ برس پہلے تری زمینات پر جو دھارے مقرر ہوئے ہیں انہیں اس دوران میں زیادہ بڑھانا مناسب نہ سمجھا گیا حالانکہ پیداوار کے لحاظ سے تری میں اضافہ ہونا چاہیے لیکن رو بہ میں ایک آنہ الاحال اضافہ لیا گیا ہے۔ خشکی مسائب پر دو آنے اسلئے رکھے گئے ہیں کہ اسکا دھارا آمدنی پیداوار اور رعایا کی سہولتوں کے مقابلہ میں بہت کم ہے جیسا کہ میں نے کہا دھارا کہیں چھ آنے کہیں آٹھ آنے کہیں ۱۲ آنے ہے اس لحاظ سے خشکی پر دو آنے اضافہ کرنے کی تجویز پیش کی گئی ہے۔

ایک اور مسئلہ جو اس ضمن میں پیدا ہوتا ہے وہ یہ ہے کہ جاگیرات کے انضمام کے بعد یہ تعلقات ہیں جن سابقہ جاگیری تعلقات میں دھاروں کی شرح دیوانی کے مقابلہ میں زیادہ تھی۔ موجودہ بل کے تحت یہ سوال پیدا ہوتا ہے کہ ایسے سابقہ جاگیری مواضعات کی حد تک کسطرح اضافہ عمل میں آئیگا۔ ہم نے بھی ان حالات کے پیش نظر یہ طے کیا ہے کہ جاگیری مواضعات کا دھارہ پہلے اس بات کے دیوانی مواضعات کے دھاروں کے برابر لایا جائیگا۔ اس کے بعد الاحال اضافہ لیا جائیگا۔ سابقہ جاگیری دھاروں پر مزید دو آنے نہیں لیے جائینگے۔ جس طرح لیوی کے سلسلے میں الاحال ایکریمنٹ (Ad hoc increment) ہوا ہے وہی عمل سابقہ جاگیری مواضعات کی حد تک ہوگا۔ اس سے وہاں کی رعایا کو بھی کوئی دقت نہیں ہوگی اور نہ کوئی بار ہوگا۔ عجیب نہیں ہے کہ اس طرح سے دھارہ کے بعض میں سابقہ دھارے کے اعتبار سے کم از کم جاگیری رعایا کی حد تک کمی ہی ہوگی۔ ان معاملات کے دھارے دیوانی کے لیول پر لانے کے لیے جو کمی ہوگی اس کا اندازہ چار پانچ روپیے تک ہے۔ اس کمی کے بعد دو آنے اضافہ کیا جائے تو بہر حال فائدہ ہی ہوگا اور ایک طرف یہ فائدہ اور دوسری طرف یہ نقصان ملکر زیادہ ہوجائیگا یا زیادہ سے زیادہ دس پندرہ لاکھ کا اضافہ گورنمنٹ کو مالگزاری میں ہوگا۔ یہ عمل جاگیری مواضعات کی رعایا کو دھارہ میں اضافہ کی جو شکایت تھی وہ بھی رفع ہوجاتی ہے اور گورنمنٹ کو دس پندرہ لاکھ کا فائدہ ہوتا ہے۔ اس میں نہ تو ظلم ہے اور نہ ذاتی کے اسلئے کی فکر ہے۔ یہ جائز ہے اور حسب حال اصل ہے۔ میں اس سلسلے میں اور تفصیل میں پرس کے وجوہ پیش کرنے کے لیے تیار ہوں لیکن یہ بتانا چاہتا ہوں کہ کس قسم طریقہ سے یہ بل پروویژن کیا جارہا ہے۔ اس بل میں ڈفینیشن (Definition) کے بعد کلاز (۳) آپریٹیو کلاز (Operative Clause) ہے۔

3 In the Taluks where resettlement is due and shown in the schedule there shall be levied a special assessment on lands

for the year commencing on the 1st day of June 1952 and for each subsequent year at the rates shown in the same schedule until the assessments in pursuance of resettlement operations are imposed

میں حساب کہ سب کو بلا رہا یا ڈھائی دو آنے اور ایک آنہ لیے جانے کی تجویز ہے جب تک کہ دوران بندوبست ہو دوران ہونے کے جدید شرح کا اعلان ہوگا اس وقت تک یہ اضافہ لیے جانے کی تجویز ہے

Provided that the Special Assessment shall not be levied on the former non Diwani areas where assessments have not been brought to the level of the adjoining Diwani areas

جو دیوانی علاقوں میں جہاں کی مالگزاری کو آس پاس کے ایریا کے مطابق نہیں بنایا گیا وہاں دیوانی علاقہ کی طرح مالگزاری نہیں لی جا سکی۔ اسکے معنی یہ ہیں کہ وہاں لیا جاتا ہے جو سب سے پہلے انکو دیوانی کے لیول پر لایا جائیگا۔ ہاؤس کو یہ معلوم ہوگا کہ انضمام جاگیرات کے بعد وہاں کی رعایا کی شکایتوں کی بنا پر یہ احکام دیے گئے ہیں کہ جو آنے معاف اور جو آنے معطلاً (Suspend) کیے جائیں۔ لیکن عام طور پر یہ احکام دیے گئے ہیں کہ جن جاگیری مواضعات کے دھاروں کے متعلق شکایات ہوں تو ان کے متعلق کمشنر سٹلمنٹ تحقیقات کر کے رپورٹ پیش کریں اور گورنمنٹ کے پاس رپورٹ آنے پر بورڈ اسکی جانچ کر کے فیصلہ کرے۔ چنانچہ ان احکام کی بنا پر نافذ ہو بلکہ اس سے زیادہ جاگیری مواضعات کے دھاروں کو دیوانی کے دھاروں کے مطابق کردیا گیا۔ میں نے خود اس بارے میں احکام دیے ہیں۔ ۱۹۴۹ء میں ... نے جاگیری مواضعات کے دھاروں کو دیوانی کے دھاروں کے مطابق بنانے کے احکام دیے ہیں۔ قریب قریب دو سو پانچ جاگیری مواضعات کے دھاروں کو دیوانی کے مطابق کیا گیا ہے۔ اسکے علاوہ پانچ سو پائیگاہوں کے مواضعات میں بھی جو آنے معاف اور جو آنے معطل کیے گئے ہیں یعنی دھاروں کی حصولی ملتوی کی گئی ہے۔ اس طرح پر صرف نصف دھار وصول کیا جارہا ہے۔ اس میں شک نہیں یہ ممکن ہے کہ یہ بھی زیادہ ہے لیکن چونکہ ری سٹلمنٹ ہونا (Resettlement) ہے جسکے آثار بہت بعید ہیں سرِدست ملک میں اسوقت جو عملہ ہے وہ اسکے لیے کافی نہیں ہے اور پھر یہ کام جو جاری ہے جلد ختم ہونے والا نہیں اسکے لیے قریب قریب دو ڈھائی سال لگیں گے۔ پہلے اسکی ضرورت ہے کہ ۲ ۔ ۳ سال پہلے جو معاوضے مقرر ہوئے ہیں ان سے کم کم اضافہ معاوضہ لیا جائے

دوسرا کلاز یہ ہے کہ یہ اضافہ موجودہ سسٹم کے علاوہ ہوگا۔ یہ اہم کلاز نہیں ہے۔

پانچواں کلاز یہ ہے کہ گورنمنٹ نوٹیفکیشن کے ذریعہ اسپیشل اسسمنٹ (Special Assessment) کے ریٹ (Rate) اور ایریا (Area) میں وقتاً فوقتاً

و صافہ کرسکے لی س بس تک پرو ویژن (Provision) د حل سا گیا ہے
س سے ب کے حساب رفع ہوسکے ہیں و بہ ہے کہ

Provided that no rate of Special Assessment shall be increased above the corresponding rate given in the Schedule unless it is approved by a resolution of the Hyderabad Legislative Assembly

سہ لی سہ سب ط حو ر ب انک بہ دو بہ دیا گیا ہے اگر س س صافہ کرنا مقصود ہو تو گورنمنٹ سے طور بر بہ کرسکتی ور صافہ کرنا ہو و لیجسلیٹو اسمبلی کے ریزولیوشن کے ذریعہ سے صا بہ سطور ہوسکتا س وقت تک صافہ بہ کیا جاسکیگا لیبہ اضافہ بس ما کیا جاسکتا ہے س کی وجہ یہ ہے کہ گذشتہ سال سے مواضعات کا حساب لگایا گیا و معلوم ہوا کہ ۴۸ مواضعات سے ہیں جن کا بندوبست ہوکر ۳۰ سال ہوچکے ہے حال ہی میں جب ا سے مواضعات کا حساب لگایا گیا تو ۰ مواضعات سے ہوگئے ہیں جن کا بندوبست ہو ر ۳۰ سال سے اوپر ہوگئے ہیں س طرح آمد بھی ایسے مواضعات کی فہرست بس ۔ بہ ہوا ہے اسلئے تکس بس بہ رکھا گیا ہے کہ

5 Government may by notification alter with effect from such date as may be stated therein the rates of special assessments or add to the areas shown in the schedule

Provided that no rate of Special Assessment shall be increased above the corresponding rate given in the schedule unless it is approved by a resolution of the Hyderabad Legislative Assembly

تو رسس میں کوئی اضافہ نہیں ہوسکتا لیکن ا ر ا میں اضافہ ہوسکتا ہے ۔

اسکے بعد کلاز سکس (۶) کی خاص اہمیت ہے و اسی صورتوں کے لیے رکھا گیا ہے کہ جہاں سے کہیں ایسے ہیں جو نہ تو ۴۸ تعلقات میں آئے ہیں ور نہ جاگیری ادبا ہیں لیکن کبھی ہ کسی طرح ملے سے ریٹ (Rate) زیادہ ہوگیا ہے۔ اسلئے گورنمنٹ کو یہ اختیار حاصل رہنا چاہیے کہ مناسب صورتوں میں وقتاً فوقتاً اسپشل اسسمنٹ میں سے کسی خاص کسں یا ادنا کو اگزمپٹ کردے سکس (۶) اسی بارے میں ہے مثلاً عادل آباد کے مالک و (Backward classes) کلاسس ہیں اور باوجود کم دھارے کے بھی ان میں دو آنے بھی دینے کی سکت نہیں ہے تو حکومت کے پاس یہ اختیار موجود ہے کہ ایسے نہ داروں کو مستثنے کردے اسلئے یہ سکس رکھا گیا ہے

اسکے بعد سکس (۷) قواعد بنانے کے بارے میں ہے

ٹیکس ۸ وہ بالکل فارمل کلازس ہیں جن میں یہ بتلایا گیا ہے کہ انکے
کے سبب جو دھارا (सुधार) دیئے گئے ہیں کوئی عدالتی کارروائی نہ
ہوسکے گی اس قسم کے سکریسی بل میں ایسے کلازس رکھے جاتے ہیں

تیسرا یہ اس مسئلہ کا بیک گراؤنڈ ہے اور جو حساب مانگا گیا ہے وہ یہ ہے کہ
گر کوئی یہ بتلائے احباب و انکو سپرد کیا جاسکے اس میں شک نہیں کہ یہ ایک
سکریسی بل ہے لیکن یہ سیدھا سادھا بل ہے یہ تو صاف ظاہر ہے کہ حکومت کے
پاس روپیہ نہیں ہے اسلیے روپیہ کی فراہمی کے لیے تمام مناسب اور جائز طریقے اختیار
کرنا حکومت کے فرائض میں داخل ہے اور ہم نے اپنے فرائض کو ادا کرتے ہوئے
یہ ذریعہ ڈھونڈ نکالا ہے اور میں سمجھتا ہوں کہ یہ جائز بھی ہے اور مناسب بھی
کیونکہ ہم نے اس بل میں اس بات کا لحاظ رکھا ہے کہ کسی پر ظلم نہ ہو اور کسی خاص
ایریا کی رعایا میں ٹیکس دینے کی سکت نہیں ہے ان صورتوں میں میں امید کرتا ہوں
کہ ہاؤز اس بل پر ایسا ہی غور کریگا جیسا کہ بڑی بڑی سنجیدگی سے غور کیا ہے کیونکہ
حکومت چلانے کی ساری ذمہ داری بڑی بڑی سچیں پر ہی نہیں ہے بلکہ تمام ہاؤز پر ہے
اور اس میں شک نہیں کہ سارا ہاؤز حکومت کے کاروبار چلانے میں حصہ لے رہا ہے
جس طرح آپ عوام کے مفاد کے معاملات میں اپنی تجاویز پیش کرتے اور انکو پاس کرانے
کی کوشش کرتے ہیں اسی طرح گورنمنٹ کو چلانے کے لیے جن چیزوں کی ضرورت ہے
ان سہولتوں کے حاصل کرنے کے لیے بھی اسی طرح غور کرنا چاہیے کیونکہ اس کا ذمہ
کسی طرح کم نہیں ہے ہاں اگر حکومت چلانا مقصود نہیں ہے بلکہ اسکی راہ میں
رکاوٹیں ڈالنا مقصد ہے تو دوسرے نقطہ نظر سے غور کیا جاسکتا ہے لیکن میں سمجھتا
ہوں کہ جو اطمینان آنریبل لیڈر آف دی سوسلسٹ پارٹی نے دلایا ہے وہ صحیح اطمینان
ہے صرف لفظی نہیں ہے اسلیے مجھے یقین ہے کہ اسکو عملی روپ دیا جائیگا ۔ اور
کل جب ہاؤز میں ڈسکشن ہوگا تو اس اشورنس (Assurance)کا پورا
ثبوت دیا جائیگا

شری جی راجہ رام ۔ جاگیرداروں پر بل لایئے ۔ ہم سب سے پہلے ثبوت دینگے

Mr Speaker Now the House is adjourned

The House then adjourned till Two of the Clock on Tuesday the 15th July 1952